शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 257 | गुवाहाटी | गुरुवार, 18 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुर्शिदाबाद में रामनवमी जुलूस पर पथराव, भाजपा का ममता पर निशाना पेज 2
हिमंत विश्व शर्मा ने पहले चरण में 50 फीसदी वोट शेयर की भविष्यवाणी की पेज 3
अबकी बार 400 पार के नारे से बौखलाया इंडी गठबंधन : कैलाश पेज 5
सुरक्षा कारणों से ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में बदलाव संभव... पेज 7

जन्मभूमि मंदिर में रामलला का हुआ पहला सूर्य तिलक

अयोध्या (हि.स.)। देशभर में चैत्र रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजे रामलला का सूर्य की किरणों से सूर्य तिलक किया गया। जन्मभूमि मंदिर में विगत 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह पहला सूर्य तिलक है। बुधवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया और मस्तक पर 3 मिनट तक सूर्य की किरणें पड़ीं। इस दृश्य को देखकर वहां उपस्थित श्रद्धालु अभिभूत हुए। -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री ने बताया भावुक क्षण

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भगवान श्रीराम के उनके भव्य मंदिर में हुए सूर्य तिलक का प्रसारण अपने टैब पर देखा। उन्होंने इसे बेहद ही भावुक क्षण बताया। यह दृश्य देखने से पूर्व ही उन्होंने विमान में भी अपनी चप्पलें उतारी हुई थी। प्रधानमंत्री ने असम के नलबाड़ी में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद अयोध्या में हुए सूर्य तिलक का प्रसारण देखा। इस संबंध में -शेष पृष्ठ दो पर

पांच सौ साल के लंबे इंतजार के बाद रामलला एक भव्य मंदिर में विराजित हैं : पीएम

अगरतला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी ने *लूट ईस्ट* नीति अपना रखी थी लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उसे *एक्ट ईस्ट* नीति में बदल दिया। प्रधानमंत्री ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिपुरा ने भाजपा सरकार के शासन में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने लूट ईस्ट की नीति अपना रखी थी, वहीं भाजपा ने इसे एक्ट ईस्ट नीति में बदल दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के साथ न्याय नहीं किया और क्षेत्र को *भ्रष्टाचार का अड्डा* बना दिया, वहीं कम्युनिस्टों ने राज्य की संभावनाओं को कम कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार क्षेत्र में विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने भारत में गरीबों के लिए तीन करोड़ नए आवास बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा के लोगों को इससे बहुत फायदा मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान राम का -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

प्रधानमंत्री ने खुद को बताया असमिया फूलाम गामोछा का ब्रांड एंबेसडर

नलबाड़ी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वे खुद असमिया फूलाम गामोछा के ब्रांड एंबेसडर हैं। प्रधानमंत्री ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया जब गले में असमिया गामोछा डालने पर कांग्रेस उनका मजाक उड़ाती है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस को असम के लोगों की भावना की कोई परवाह नहीं है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी बुधवार को असम के नलबाड़ी के बरकूरा में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा असम के विकास के लिए जिस प्रकार दिन-रात काम कर रहे हैं, उससे कांग्रेस बहुत पीछे चली गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को दिया हुआ वोट किसी काम नहीं आएगा, क्योंकि केंद्र में उनकी सरकार नहीं बनेगी। यदि भाजपा को वोट देंगे तो विकसित भारत बनाएगा। अगले 5 वर्षों तक बिना भेदभाव के आपको मुफ्त राशन ऐसे ही मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि हर परिवार में दादा, दादी, पिता, माता आदि 70 साल के ऊपर के लोग होते हैं। उनको कोई भी तकलीफ हो तो परिवार के संतानों पर बोझ पड़ता है। इसलिए मोदी ने तय किया है कि आपके परिवार में 70 साल से ऊपर के जितने भी बुजुर्ग हैं, उनकी बीमारी के इलाज की चिंता मोदी करेगा। हर वर्ग के इन बुजुर्गों को बिना भेदभाव के आयुष्मान योजना के तहत 5 लख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। संबोधन के बीच में उन्होंने कहा कि 12:00 बजने से कुछ पल बाकी है। अयोध्या और पूरे देश में प्रभु राम के जन्मोत्सव, प्रभु राम के स्वागत का बहुत बड़ा अभियान चल रहा है। उत्सव चल रहा है। हम भी उससे जोड़ना चाहते हैं। भले हम अयोध्या नहीं पहुंच पाए, हम यहां से प्रभु राम के जन्मोत्सव में जुड़ने के लिए तैयार हैं। अभी कुछ पल में वहां पर सूर्य तिलक होने वाला है। आप भी अपना मोबाइल फोन निकाल कर उसकी फ्लैशलाइट चालू करें। हम भी प्रभु राम को प्रणाम करें। मोदी ने जय श्रीराम, राम लक्ष्मण जानकी, जय बोलो हनुमान की के नारे लगवाए। उन्होंने कहा कि आपका बिजली बिल जीरो आए, इसके लिए कम दाम पर सोलर पैनल दिए जाएंगे। उसके कारण आपका -शेष पृष्ठ दो पर

अगले पांच वर्षों में गरीबों के लिए तीन करोड़ नए मकान बनाए जाएंगे : प्रधानमंत्री

नलबाड़ी (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि अगले 5 वर्षों में गरीबों के लिए 3 करोड़ और नए मकान बनाए जाएंगे। बिना भेदभाव के सबको मकान बना कर दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को असम के नलबाड़ी के बरकूरा में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। अपना संबोधन प्रधानमंत्री ने मां कामाख्या तथा मां काली को प्रणाम करके प्रारंभ किया। उन्होंने असमिया भाषा में उपस्थित जन समूह को रंगाली बिहू की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज रामनवमी का अवसर है। 500 वर्षों के इंतजार के बाद आखिर भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं और अभी कुछ ही मिनट के बाद प्रभु राम को सूर्य तिलक करके उनके जन्मोत्सव अयोध्या की पवित्र नगरी में राम मंदिर में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश सदियों के साधना और पीढ़ियों के बलिदान की सिद्धि को सेलिब्रेट कर रहा है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आपकी उपस्थिति, यह जन सैलाब महान ब्रह्मपुत्र के विस्तार से काम नहीं है। मैं देख रहा हूं यह पब्लिक मीटिंग तीन मंजिला है। एक तो लाखों लोग मेरे सामने बैठे हैं। दूसरे हजारों लोग उधर ऊपर सामने बैठे हैं और तीसरे सैकड़ों लोग ऊपर सड़क पर खड़े होकर संबोधन सुन रहे हैं। यानी शायद यह पहली सभा होगी, जो तीन मंजिला सभा हो रही है। उन्होंने कहा कि 4 जून को नतीजा क्या -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दंड का भय ना होने से लोग अकार्य करने लगते हैं।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री के अभियान से मुख्य मुद्दे गायब : जयराम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज पूर्वोत्तर के चुनावी अभियान पर रहे। इस पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उनपर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके अभियान से पूर्वोत्तर से जुड़े मुख्य मुद्दे गायब हैं। रमेश ने पांच मुद्दे उठाये और कहा कि भाजपा नेता ने जो दावे किए हैं वे पूरे नहीं किए। कांग्रेस महासचिव -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव नहीं लड़ेंगे आजाद

राजौरी। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। पार्टी ने अनंतनाग-राजौरी सीट से नेता मोहम्मद सलीम पर्रे को सीट से मैदान में उतारने का फैसला किया है। प्रांतीय अध्यक्ष मोहम्मद अमीन भट ने इस बात की जानकारी दी है। डीपीएपी के प्रांतीय अध्यक्ष मोहम्मद अमीन भट ने कहा कि पार्टी ने अब अपने नेता मोहम्मद सलीम पर्रे -शेष पृष्ठ दो पर

बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेकेंगे : गृह मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया है। उन्होंने विश्वास जताया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के कांकेर जिलान्तर्गत हापाटोला जंगल में मंगलवार को नक्सलियों से मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। इनामी नक्सली कमांडर सहित 29 नक्सली मारे गए हैं। घटनास्थल से बड़ी संख्या में हथियारों की बरामदगी हुई है। इसे सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता बताते हुए गृह मंत्री ने आज एक बयान में कहा कि मोदी सरकार ने देश से नक्सलवाद और आतंकवाद को उखाड़ फेंकने का एक सतत अभियान चलाया हुआ है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

बस्तर में नक्सलियों ने की भाजपा नेता की हत्या

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ में होने जा रहे लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के तीन दिन पहले नारायणपुर जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने भाजपा नेता व उपसरपंच पंचम दास मानिकपुरी की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। चुनावी वर्ष में नक्सली लगातार भाजपा नेताओं को निशाना बनाकर हत्या कर रहे हैं। अब तक एक दर्जन भाजपा नेताओं की हत्या नक्सली कर चुके हैं। गृह मंत्री विजय शर्मा ने इसे नक्सलियों की कायराना -शेष पृष्ठ दो पर

कूचबिहार का दौरा न करें राज्यपाल बोस : चुनाव आयोग

कोलकाता। चुनाव आयोग ने बुधवार को बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस 19 अप्रैल को उत्तर बंगाल के कूचबिहार लोकसभा क्षेत्र का दौरा नहीं करने की सलाह दी। दरअसल, उसी दिन इस क्षेत्र में पहले चरण का मतदान है। कूचबिहार के अलावा उत्तर बंगाल के दो अन्य निर्वाचन क्षेत्रों अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी में भी उसी दिन वोट पड़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक, आयोग की ओर से राजभवन को भेजे गए ईमेल में कहा गया कि अगर चुनाव के दिन वे (राज्यपाल) मतदान वाले क्षेत्र में मौजूद रहेंगे तो यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन होगा, चूंकि चुनाव प्रचार बुधवार की शाम को ही उक्त क्षेत्रों में समाप्त हो चुका है और 48 घंटे की मौन अवधि चल रही है, इसलिए उस क्षेत्र के मतदाताओं के अलावा कोई भी वहां नहीं जा सकता है। ऐसे में अगर राज्यपाल भी जाते हैं तो यह -शेष पृष्ठ दो पर

थम गया पहले चरण का चुनाव प्रचार, मतदान कल

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए चुनाव प्रचार आज यानी बुधवार शाम को समाप्त हो गया। आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल उन नेताओं में शामिल हैं जो 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के चुनाव में अपनी चुनावी किस्मत आजमाएंगे। 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। पहले चरण में ही महाराष्ट्र के नागपुर सीट पर भी मतदान होना है। केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी नागपुर सीट से जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में हैं। 2014 में, उन्होंने सात बार के सांसद विलास मुत्तेमवार को 2.84 लाख मतों के अंतर से हराया था। 2019 में उन्होंने वर्तमान महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले को 2.16 लाख मतों से हराकर सीट बरकरार रखी थी। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू अरुणाचल पश्चिम सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। 52 वर्षीय रिजिनू ने 2004 से तीन बार इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। रिजिजू के मुख्य प्रतिद्वंद्वी पूर्व मुख्यमंत्री और अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष नबाम तुकी हैं। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल असम के डिब्रूगढ़ से लोकसभा में वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली का टिकट काटकर सोनोवाल को चुनाव डिब्रूगढ़ से चुनाव मैदान में उतारा गया है। वे फिलहाल राज्यसभा सदस्य हैं। मुजफ्फरनगर में त्रिकोणीय चुनावी जंग चल रही है जहां केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान का मुकाबला समाजवादी पार्टी के हरिंद्र मलिक और बसपा उम्मीदवार दारा सिंह प्रजापति से है। दो बार सांसद रह चुके -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई : राहुल

मांड्या। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कर्नाटक के मांड्या में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने आगामी लोकसभा चुनाव को दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई करार दिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारतीय ब्लॉक संविधान के लिए लड़ रहा है, तो और दूसरी तरफ भाजपा जो संविधान और और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। राहुल गांधी ने साल 2024 के लोकसभा में वादा करते हुए कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक सत्ता में आता है, तो यह आम किसानों, मजदूरों, नागरिकों और व्यापारियों की सरकार होगी। राहुल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मुर्शिदाबाद में रामनवमी जुलूस पर पथराव, भाजपा का ममता पर निशाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में रामनवमी जुलूस पर पथराव और बमबाजी की घटना घटी है। भाजपा का आरोप है कि मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में रामनवमी शोभा यात्रा पर भारी पथराव हुआ। शक्तिपुर स्कूल से शुरू हुई शोभा यात्रा में श्रद्धालुओं पर बम फेंके गए हैं। कई श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। भाजपा के नेता अमित मालवीय ने ट्वीट कर राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाया है। इलाके में बमबारी और पथराव की घटना के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है और इलाके में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है भाजपा नेता अमित मालवीय ने ट्वीट किया कि ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के लिए कलंक हैं। वह एक बार फिर रामनवमी शोभा यात्रा की सुरक्षा करने में विफल रही। मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में हिंदू श्रद्धालुओं को निशाना बनाया गया। इस क्षेत्र में हिंदू अल्पसंख्यक हैं। बस इस ओर इशारा कर रही हूं, ताकि वह खुद पर हुए हमले के लिए हिंदुओं को दोषी न ठहराएं। बंगाल में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने ट्वीट किया कि पिछले साल की तरह जब ममता पुलिस की मंशा में कमी के कारण दालखोला, रिसड़ा और श्रीरामपुर में श्री राम नवमी जुलूस पर हमला हुआ था। इस साल भी ममता पुलिस राम भक्तों की रक्षा करने में विफल रही। शांतिपूर्ण रामनवमी जुलूस, जिसके लिए प्रशासन से पूरी अनुमति थी, पर मुर्शिदाबादा के बेलडांगा 1 2 ब्लॉक के शक्तिपुर में उपद्रवियों द्वारा हमला किया गया। उन्होंने कहा कि अजीब बात है कि इस बार ममता पुलिस भी इस भयानक हमले में उपद्रवियों के साथ शामिल हो गई और राम भक्तों पर आंसू गैस के गोले दागे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जुलूस अचानक समाप्त हो जाए। इतना ही नहीं, ममता पुलिस उपद्रवियों को माणिक्यहार मोड़ पर सनातनी समुदाय की दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट करने से भी नहीं रोक सकी। यह ममता बनर्जी के उकसावे और उकसावे का नतीजा है। शुभेंदु अधिकारी ने ट्वीट किया कि पश्चिम बंगाल में धार्मिक त्योहारों के शांतिपूर्ण और घटना मुक्त उत्सव के लिए इस राज्य सरकार को बदला जाना चाहिए।

खिलंजिया मुसलमानों को विदेशी की श्रेणी से निकाला : मुख्यमंत्री

शिवसागर (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि उन्हें भले ही नमाज पढ़ने नहीं आता हो, लेकिन असम के खिलंजिया (स्थानीय) मुसलमानों को उन्होंने विदेशी की श्रेणी से निकलकर खिलंजिया की संज्ञा देने का साहस किया है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती रही। असमिया मुसलमानों को विदेशी मुसलमान की श्रेणी में लाकर खड़ा किया जाता रहा। स्थानीय मुसलमान डी वोटर की श्रेणी में आते रहे। उनकी अलग से कभी पहचान बनाने की कोशिश नहीं की गई। लेकिन, आज उन्होंने (मुख्यमंत्री ने) असमिया मुसलमानों को विदेशी की श्रेणी से निकलकर खिलंजिया की श्रेणी में लाकर खड़ा किया है। मुख्यमंत्री पहले चरण के मतदान के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन आज जोरहाट के भाजपा प्रत्याशी तपन गोगोई के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि गौरव गोगोई ने आज तक कलियाबर के लिए क्या किया। उन्होंने कहा कि जिसने कलियाबर का सांसद रहते हुए वहां के लिए कुछ नहीं किया, वह जोरहाट के लिए क्या कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद तपन गोगोई ने क्षेत्र के विकास तथा आम लोगों की भलाई के लिए दिन-रात कार्य किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार के दिनों में किए गए कई कार्यों की चर्चा की।

रेगिस्तान में बारिश का कहर 18 की मौत, एयरपोर्ट ठप

दुबई (हि.स.)। रेगिस्तान में पानी को तरसने वाले अब पानी में डूबकर मर रहे हैं। ऐसा कुछ संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और उसके आसपास के देशों में मंगलवार को देखने को मिला। यूएई में भारी बारिश से प्रमुख राजमार्गों के कुछ हिस्सों में पानी भर गया और पूरे दुबई में वाहन सड़कों पर जगह-जगह खड़े हो गए। दुनिया के व्यस्ततम हवाई अड्डों में से एक दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (डीएक्सबी) पर करीब 25 मिनट संचालन बंद रहा। पड़ोसी देश ओमान में बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 18 हो गई है और कई अन्य लापता हैं। अरब प्रायद्वीप के देश यूएई में बारिश असामान्य है, नियमित बारिश की कमी के कारण कई सड़कों और अन्य क्षेत्रों में जल निकासी प्रणाली का अभाव है जिससे बाढ़ आई है। भारी बारिश के कारण यूएई के प्रशासन ने मंगलवार को लोगों से घरों में ही रहने का अनुरोध किया। स्कूलों ने कक्षाएं ऑनलाइन आयोजित कीं। सरकारी कर्मचारियों से भी घरों से कार्य करने को कहा गया। राजमार्गों और सड़कों से पानी निकालने के लिए प्रशासन को बड़े-बड़े पंप लगाने पड़े। मंगलवार को जब यूएई के आसमान में बिजली चमकती थी तो कभी-कभी दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा के सिरे को छूती थी। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने दुबई, अबु धाबी, शारजाह व कुछ अन्य अमीरात के निवासियों से अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश व ओलावृष्टि के लिए तैयार रहने को कहा है। यूएई के पड़ोसी देशों बहरीन, कतर, सऊदी अरब में भी जमकर बारिश हुई है। ओमान में तो हाल के दिनों में हुई भारी बारिश से आई बाढ़ के कारण 18 लोगों की मौत हुई है। इनमें 10 स्कूली बच्चे शामिल हैं जिनका वाहन बाढ़ में बह गया था। बहरीन की राजधानी मनामा में सड़कों पर पानी भर गया। कुवैत, सऊदी अरब व ओमान में बुधवार को चक्रवात की आशंका जताई गई है।

सीविजिल में लोगों ने दर्ज करवाई 2.68 लाख शिकायतें

नई दिल्ली। चुनाव आयोग द्वारा आम जनता को चुनाव से संबंधित शिकायत दर्ज करवाने के लिए मुहैया करवाया गया पोर्टल सीविजिल आम लोगों में हिट हो गया है और इस पर शिकायतों का अंबार लग गया है। पिछले एक महीने में आयोग के पास 2,68,080 शिकायतें दर्ज हुई हैं और इनमें से 2,67,762 शिकायतों पर कार्रवाई भी की गई है। आयोग ने 92 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा शिकायत दर्ज होने के 100 मिनट के भीतर ही कर दिया है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को यह आंकड़े जारी किए। आयोग ने कहा है कि इसमें से अधिकतर शिकायतें गैर कानूनी होर्डिंग्स और लोगों की निजी संपत्ति पर पोस्टर चिपकाने के अलावा तय समय के बाद हो रहे प्रचार को लेकर थीं, जिनका समय पर निपटारा कर दिया गया। चुनाव आयोग ने कहा कि आयोग की तरफ से चुनाव के दौरान सारे राजनीतिक दलों को समान अवसर मुहैया करवाने के लिए पिछले एक महीने से लगातार काम जारी है और इस अवधि में 7 राजनीतिक दलों के 16 प्रतिनिधिमंडलों ने दिल्ली में आयोग अधिकारियों के साथ मुलाकात की है और चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर शिकायतें दर्ज करवाई हैं। इनके अलावा राज्य स्तर पर भी कई राजनीतिक दलों के लोग चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिल रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव की घोषणा से पहले ही देश के 800 जिला मैजिस्ट्रेटों और डी.ई.ओज को 10 बैचों में चुनाव प्रक्रिया सामान्य तौर पर चलाने के लिए ट्रेनिंग दी थी। आयोग की तरफ से बताया गया कि देश भर में राजनीतिक दलों ने 200 से ज्यादा शिकायतें दर्ज करवाई हैं, इनमें से 169 शिकायतों पर कार्रवाई की गई है।

रूसी मिसाइल हमला : चेर्निहाइव में 13 लोगों की मौत, 61 अन्य घायल

कीव। रूस की तरफ से दागी गई तीन मिसाइल बुधवार को उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहाइव में आठ मंजिला इमारत पर गिरीं, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने बताया कि हमले में दो बच्चों सहित कम से कम 61 लोग घायल हो गए। चेर्निहाइव राजधानी कीव से लगभग 150 किलोमीटर उत्तर में, रूस और बेलारूस की सीमा के पास स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2,50,000 है। पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को अतिरिक्त सैन्य साजो सामान मुहैया नहीं कराए जाने से रूस के खिलाफ युद्ध में उसकी स्थिति कमजोर पड़ती जा रही है। युद्ध के तीसरे वर्ष में प्रवेश करने के साथ रूस यूक्रेन में लगातार बढ़त बना रहा है। हालांकि, सर्दियों के महीनों के दौरान, रूस युद्ध के अग्रिम मोर्चे पर कोई प्रगति नहीं कर पाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से उनके देश को और अधिक वायु रक्षा प्रणालियां प्रदान करने का अनुरोध किया है। उन्होंने चेर्निहाइव हमले के बारे में कहा कि अगर यूक्रेन को पर्याप्त वायु रक्षा उपकरण मिले होते और रूसी आतंक का मुकाबला करने के लिए दुनिया का दृढ़ संकल्प होता, तो ऐसा नहीं होता। जेलेंस्की ने इस सप्ताह की शुरुआत में प्रसारित एक साक्षात्कार में *पीबीएस* को बताया था कि मिसाइल और ड्रोन हमले से बचाव करते हुए यूक्रेन के पास वायु रक्षा मिसाइलें खत्म हो गई हैं। हाल में रूस ने हमले में यूक्रेन के सबसे बड़े बिजली संयंत्रों में से एक को नष्ट कर दिया था। यूक्रेन के लिए एक विषम तथ्य वाशिंगटन में उस सहायता पैकेज की मंजूरी का रुकना है जिसमें यूक्रेन के लिए लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर शामिल हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को कहा कि वह इस सप्ताह पैकेज को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

CONSULTATION WITH APOLLO EXPERTS
Apollo HOSPITALS
NEPHROLOGY CLINIC
DR VENKATESH RAJKUMAR
MD (Gen Medicine), DM (Nephrology) FISN(Interventions)
visiting GUWAHATI on 28th April'2024
Consultation for Urinary incontinence, bladder problems high level of urea & Creatinine, Chronic Renal failure, Kidney problems
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

जन्मभूमि मंदिर में ...

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुताबिक सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फुट लंबा सिस्टम तैयार किया गया है। इसमें चार लेंस और चार मिरर लगे हैं। इसके माध्यम से सूर्य की किरणें परावर्तित होकर रामलला के मस्तक पर पहुंचीं। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए रामलला के पट बंद कर दिए गए। सामान्य दिनों में मंदिर के कपाट सुबह 6.30 बजे खुलते हैं, लेकिन रामनवमी के अवसर पर भोर में 3.30 बजे ही मंदिर के कपाट खोल दिए गए। श्रद्धालु रात 11.30 बजे तक रामलला के दर्शन कर सकेंगे। शयन आरती के बाद मंदिर निकास मार्ग पर प्रसाद मिलेगा। रामलला के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में भक्त अयोध्या पहुंचे हुए हैं। इस दौरान राममंदिर में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र समेत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में कहा कि सूर्यकुल भूषण श्रीरामलला के ललाट पर सुशोभित भव्य *सूर्य तिलक* आज अखिल राष्ट्र को अपने सनातन गौरव से आलोकित कर रहा है। जय जय श्री राम!

प्रधानमंत्री ने बताया...

उन्होंने फोटो साझा करते हुए एक्स पर कहा कि नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का ये बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। ये सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा। उल्लेखनीय है कि देशभर में चैत्र रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजे रामलला का सूर्य की किरणों से सूर्य तिलक किया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विगत 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह पहला सूर्य तिलक है। श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे भव्य मंदिर में आधुनिक और वैज्ञानिक विधि से ऐसी संरचना ही बनाई गई है कि श्रीराम जन्म के समय वहां विराजमान विग्रह के मस्तक पर पर सूर्य की सीधी रोशनी प्रकाशवान हो। श्रीरामनवमी के दिन बुधवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में श्रीरामलला के मस्तक पर सूर्य की सीधी रोशनी प्रकट हुई, इसे ही सूर्य तिलक कहा गया। रामलला विराजमान के मस्तक पर 3 मिनट तक सूर्य की सीधी किरणें प्रकाशित होती रहीं। प्रधानमंत्री ने बाद में त्रिपुरा में आयोजित एक जनसभा में कहा कि आज रामनवमी का पवित्र पर्व है। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद वह रामनवमी आई है, जब भगवान राम अयोध्या में भव्य मंदिर में विराजमान हैं। प्रभु श्रीराम, जो कभी टेंट में रहते थे। ज भव्य मंदिर में सूर्य किरणों ने उनके मस्तक का अभिषेक किया है। सूर्य तिलक को पूर्वोत्तर से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि पूर्वोत्तर में रहना हमारा सौभाग्य है। सूर्य की किरणें सबसे पहले यहां धरती को छूती हैं। सूर्य की किरणें भारत के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक हैं। विकसित त्रिपुरा, विकसित भारत की प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। वहीं भाजपा नेता ने इससे पहले नलबड़ी में सूर्य तिलक के अनुरूप सभा के दौरान लोगों से उनके मोबाइल निकालने और प्रकाश करने को कहा। उन्होंने इसके बाद लोगों से नारे लगवाए *राम लक्ष्मण जानकी, जय बोलो हनुमान की।*

पांच सौ साल के...

जन्मोत्सव अयोध्या में उनके ही मंदिर में 500 साल के बाद मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 500 साल के लंबे इंतजार के बाद रामलला अंततः तंबू की जगह एक भव्य मंदिर में विराजित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार उत्तर-पूर्व में *कनेक्टिविटी* बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। मोदी ने कहा कि राज्य में राजमार्गों के उन्नयन के लिए 3,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रेलवे पटरियों पर विद्युतीकरण का काम तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले, राज्य में मोबाइल टॉवर ठीक से काम नहीं करते थे, लेकिन अब 5जी कनेक्टिविटी में सुधार के लिए काम किया जा रहा है। यह मोदी सरकार है जिसने मोबाइल बिल को कम करके लगभग 400-500 रुपए प्रति माह तक ला दिया है। अगर कांग्रेस सत्ता में होती तो, आपका मोबाइल बिल 4,000 रुपए से 5,000 रुपए रहता। कांग्रेस और माकपा पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि जांच एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर आलोचना करने वाले कांग्रेस के युवराज अब भ्रष्टाचार के आरोप में केरल के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। किसी भ्रष्ट व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पिछले 10 साल की अपनी सरकार की उपलब्धियों को केवल *ट्रेलर* बताते हुए मोदी ने कहा कि अगर भाजपा तीसरी बार सत्ता में आती है तो बहुत सारे काम होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले पांच साल तक सभी वर्गों को बिना भेदभाव के मुफ्त राशन मिलता रहेगा।

प्रधानमंत्री ने खुद ...

बिजली का बिल जीरो हो जाएगा। आने वाले दिनों में इलेक्ट्रिक व्हीकल स्कूटी, स्कूटर, गाड़ी का सोलर की बिजली से चार्जिंग भी होगा। इससे ट्रैवलिंग का खर्चा जीरो हो जाएगा। उन्होंने कहा कि करोड़ों बहनें आज स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। हमने लक्ष्य रखा है 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाएंगे। गांव में हमारी बहनें द्रोण पायलट बनेंगी। इसका बहुत बड़ा लाभ हमारे असम के लोगों, यहां के गरीब, वंचित, दलित, किसान, पीड़ित और चाय मजदूरों को होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब किसानों की बात होती है, यहां के खार को कोई कैसे भूल सकता है। यहां हर कोई जानता है, खारखोवा असमिया। इसलिए 5 हजार 4 सौ करोड़ रुपए से ज्यादा किसानों को दिए गए हैं। भाजपा ने इस योजना को जारी रखने का एलान किया है। असम के किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा मिलता रहेगा, वह भी बिना भेदभाव के। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में मोदी के गारंटी चल रही है, नॉर्थ ईस्ट खुद ही इसका गवाह है। पूर्वोत्तर को कांग्रेस ने सिर्फ समस्या दी। उसे बीजेपी ने संभावनाओं का स्रोत बना दिया है। कांग्रेस ने अलगाववाद को खाद पानी दिया, मोदी ने पूर्वोत्तर को गले लगाने का काम किया। मोदी ने शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया। जो कांग्रेस के 60 वर्षों में नहीं हुआ, वह मोदी ने 10 वर्षों में करके दिखाया, क्योंकि मेरे लिए आपके सपने मेरा संकल्प है। आपके सपने यह मेरा संकल्प हैं। इसलिए हर पल आपके और देश के नाम, आपके सपनों के नाम। और इसलिए 24म7 फार 2047 कहते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने ही अपने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की टेंशन से मुक्ति दिलाया। हमने तीन तलाक के कुप्रथा के खिलाफ कानून बनाया। इसका फायदा न सिर्फ मुस्लिम बहनों को मिला, बल्कि उनके पूरे परिवार को मिला। माता-पिता, भाई, बहन सभी को मिला। तीन तलाक की वजह से मुस्लिम बेटियों के साथ उनके परिवार की भी जिंदगी तबाह हो रही थी। इसका लाभ असम के भी हमारी हजारों बहनों को हुआ है। उन्होंने कहा कि असम का विकास इस बात का सबूत है कि जब नियत सही हो तो नतीजे भी सही आते हैं। कांग्रेस पार्टी ने सियासी फायदों के लिए क्षेत्र को अपने पंजे में फंसा कर रखा था। कांग्रेस के पंजे ने पूर्वोत्तर को इसलिए जकड़ रखा था, ताकि उनके लिए भ्रष्टाचार और लूट के दरवाजे खुले रहें। अब यह पंजा खुल गया है। असम में सबका साथ, सबका विकास का मंत्र लागू हुआ है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ मंच पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता, एनडीए समर्थित असम गण परिषद के बरपेटा लोकसभा सीट के उम्मीदवार फणि भूषण चौधरी समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता विधायक मंत्री आदि मौजूद रहे।

अगले पांच वर्षों में ...

होने जा रहा है, यह आज पूरा देश देख रहा है। इसलिए लोग कहते हैं, 4 जून 4 सौ पार। फिर एक बार मोदी सरकार। आकौ एबार मोदी सरकार। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में मोदी आपके बीच एक उम्मीद लेकर आया था। 2019 में मोदी जब आया तब एक विश्वास लेकर आया। और 2024 में आज जब मोदी असम की धरती पर आया है, मोदी गारंटी लेकर आया है। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। उन्होंने कहा कि अभी भाग बिहू के अभी बहाग बिहू के दिन भाजपा ने अपना संकल्प पत्र भी जारी किया है। भाजपा वह पार्टी है, जो सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर चलती है। एनडीए सरकार की योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं होता। उनका लाभ हर किसी को मिलता है। उन्होंने कहा कि अब एनडीए ने ठाना है कि देश के हर नागरिक तक पहुंच कर, जिस सुविधा का वह पात्र है, वह सुविधा उसे दी जाएगी। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने अन्य कई मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ मंच पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता, एनडीए समर्थित असम गण परिषद के बरपेटा लोकसभा सीट के उम्मीदवार फणि भूषण चौधरी समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, विधायक और मंत्री आदि मौजूद रहे।

बहुत कम समय...

बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। बहुत कम समय में मोदी के नेतृत्व में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेकेंगे।

बस्तर में नक्सलियों ...

हरकत बताते हुए कहा है कि हाथ में बंदूक है तो किसी को भी मार देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सलियों के विरुद्ध अभियान को तेज किया गया है। नक्सलियों से संवाद के लिए रास्ते खुले हैं, पर उन्हें हथियार छोड़ना पड़ेगा। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा कि बस्तर में लगातार भाजपा नेताओं की हत्या टारगेट किलिंग नहीं है तो और क्या है। सरकार योजनाबद्ध तरीके से नक्सलियों के विरुद्ध लड़ाई लड़ रही है, जल्द ही प्रदेश से नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा। सनद रहे कि प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद अब तक 80 पीपुल्स लिब्रेशन गुरिल्ला आर्मी के लड़ाकों को सुरक्षा बल ने मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार की रात नक्सलियों की स्माल एक्शन टीम ने दंडवन के उपसरपंच व भाजपा नेता पंचम दास मानिकपुरी के घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटनास्थल पर नक्सलियों की पूर्वी डिविजन ने पर्चा फेंक कर हत्या की जिम्मेदारी ली है। बकौल पुलिस, पर्चे में भाजपा नेता मानिकपुरी पर भ्रष्टाचार व पुलिस के लिए गोपनीय सैनिक का काम करने का आरोप लगाते हुए पीएलजीए की ओर से मौत की सजा देने का उल्लेख किया है। पर्चे में भाजपा व आरएसएस को मार भगाने की बात लिखी गई है। यहां बता दें कि एक माह पहले बीजापुर में भाजपा नेता तिरुपति कटला व कैलाश नाग की हत्या नक्सलियों ने की थी। फरवरी 2023 में बीजापुर में नीलकंठ कक्केम की पहली हत्या हुई थी। इसके बाद भाजपा जिला उपाध्यक्ष सागर साहू, रामधर अलामी, रतन दुबे, अर्जुन कका सहित अन्य नेताओं की हत्या नक्सली कर चुके हैं।

कूचबिहार का दौरा ...

चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल बोस के 18 और 19 अप्रैल को कूचबिहार के प्रस्तावित दौरे के बारे में पता चलने पर चुनाव आयोग ने राज्यपाल को ईमेल के माध्यम से वहां नहीं जाने की सलाह दी है। चुनाव आदर्श आचार संहिता के तहत राज्यपाल वहां नहीं जा सकते हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि 18 और 19 अप्रैल के दौरान पूरा जिला प्रशासन और पुलिस बल चुनाव प्रबंधन में व्यस्त रहेंगे। ऐसे में राज्यपाल की यात्रा उनके लिए समयबद्ध चुनाव-संबंधी कार्यों से ध्यान भटकाने वाली होगी, क्योंकि उन्हें किसी आसन्न ज्ञात आवश्यकता के बिना अप्रत्याशित प्रस्तावित यात्रा के लिए प्रोटोकाल और स्थानीय सुरक्षा कवर प्रदान करना होगा। सूत्रों ने कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 के अनुसार, कूचबिहार के लिए मौन अवधि 17 अप्रैल शाम छह बजे से शुरू हो चुकी है, इस दौरान चुनाव कार्य में किसी भी बाहरी व्यक्ति का इलाके में प्रवेश वर्जित है। चुनाव आयोग ने सभी जिला चुनाव अधिकारियों और जिला पुलिस प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने के लिए स्थायी निर्देश जारी किए हैं कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्बाध मतदान प्रक्रिया के लिए सभी हाई-प्रोफाइल व्यक्ति, प्रचारक और राजनीतिक कार्यकर्ता, जो उस चुनाव क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, मौन अवधि की शुरुआत के बाद तुरंत बाहर निकल जाएं। सनद रहे कि राज्यपाल ने पिछले चुनावों में हुई हिंसा के रिकॉर्ड पर विचार करने के बाद यह कार्यक्रम तय किया था।

थम गया पहले ...

और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में सहयोगी जितेंद्र सिंह उधमपुर में हैट्रिक बनाने की जोरआजमाइश कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सदस्य भूपेंद्र यादव जिन्हें मौजूदा सांसद बालक नाथ की जगह राजस्थान के अलवर से टिकट दिया गया है का मुकाबला कांग्रेस विधायक ललित यादव से है। वे अलवर जिले मत्स्य क्षेत्र से आते हैं और उन्हें यादव समुदाय का समर्थन प्राप्त हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल राजस्थान की बीकानेर संसदीय सीट से कांग्रेस के पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल के खिलाफ मैदान में हैं। तमिलनाडु के नीलगिरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में द्रमुक के मौजूदा सांसद और पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा और केंद्रीय मत्स्य राज्य मंत्री भाजपा के एल मुरुगन के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। यह पहला मौका होगा जब मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुने गए मुरुगन यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। शिवगंगा से सांसद कार्ति चिदंबरम उस सीट से एक बार फिर मैदान में हैं जहां उनके पिता पी चिदंबरम भाजपा के टी देवनाथन यादव और अन्नाद्रमुक के जेवियर दास के खिलाफ सात बार जीत चुके हैं। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई तमिलनाडु के कोयंबटूर से चुनाव लड़ रहे हैं, वहां उनका मुकाबला द्रमुक नेता गणपति पी राजकुमार और अन्नाद्रमुक के सिंगाई रामचंद्रन से है। तमिलिसाई सुंदरराजन, जिन्होंने हाल ही में तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल के रूप में इस्तीफा देकर सक्रिय राजनीति में वापसी की है, चेन्नई दक्षिण लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। दिग्गज कांग्रेस नेता कुमारी अनंता की बेटी सुंदरराजन ने 2019 का लोकसभा चुनाव डीएमके की कनिमोझी के खिलाफ लड़ा था, लेकिन थूथुकुडी में वे भारी अंतर से हार गई थीं। इस बार कनिमोझी इस सीट से फिर से चुनाव लड़ रही हैं। इस सीट पर राजग की सहयोगी तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) ने एसडीआर विजयसीलन और अन्नाद्रमुक ने आर शिवसामी वेलुमणि को मैदान में उतारा है। कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ छिंदवाड़ा से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। कमलनाथ 1980 से अब तक नौ बार इस सीट से जीत चुके हैं। 2019 के चुनावों में, भाजपा ने राज्य की 29 में से 28 सीटें जीतीं, लेकिन छिंदवाड़ा में जीत दर्ज करने से चूक गई, वहां नकुल ने भाजपा के उम्मीदवार को 37,536 मतों से हराकर राज्य में एकमात्र सीट कांग्रेस की झोली में डाल दी थी। त्रिपुरा की दो लोकसभा सीटों में से पश्चिम त्रिपुरा की जिस सीट पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है, वहां पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष आशीष कुमार साहा के बीच हाईवोल्टेज टक्कर देखने को मिलेगी। असम के कालियाबोर निर्वाचन क्षेत्र से 2014 से दो बार लोकसभा चुनाव जीत चुके लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता और पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई खुद को पड़ोस के जोरहाट से पार्टी के उम्मीदवार है। इस सीअ पर भाजपा के तपन कुमार गोगोई ने 2019 में जीत हासिल की थी। गौरव गोगई की 2019 की सीट कालियाबोर में परिसीमन के कारण इस बार वे जोरहाट से चुनाव लड़ रहे हैं। मणिपुर के कानून एवं शिक्षा मंत्री बसंत कुमार सिंह इनर मणिपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं और उनका मुकाबला जेएनयू के प्रोफेसर एवं कांग्रेस उम्मीदवार बिमल अकोइजाम से है। सिंह थोउनाओजम चाओबा सिंह के पुत्र हैं, जिन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में खेल, युवा मामलों, संस्कृति और खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया था।

लोस चुनाव दो ...

गांधी ने कहा कि यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन है, जिसने संविधान के लिए लड़ाई लड़ी है। देश को संविधान और लोकतंत्र दिया। दूसरी ओर भाजपा है, जो संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है और सभी संस्थानों में अपने लोगों को बिठा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार 22 से 25 अमीर लोगों की सरकार है, लेकिन कांग्रेस ऐसी सरकार देगी जो किसानों, मजदूरों, आम नागरिकों और व्यापारियों के लिए काम करेगी। इस अवसर परमुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि पार्टी इस बार राज्य में 15 से 20 सीटें जीतेगी। कर्नाटक में दो चरण के चुनाव में से पहले चरण में मांड्या में मतदान होगा। जहां राज्य के दक्षिणी हिस्से में 14 निर्वाचन क्षेत्रों में 26 अप्रैल को चुनाव होगा, वहीं उत्तरी जिलों के लिए दूसरे चरण का मतदान 7 मई को होगा।

प्रधानमंत्री के अभियान...

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर मुद्दों को उठाते हुए कहा कि मोदीजी के अभियान से मणिपुर में हुई हिंसा, पूर्वोत्तर के लिए तय फंड का कम उपयोग, वन क्षेत्र के लिए पैदा हुआ खतरा, अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ और बड़ी धीमे गति से प्रगति करती नागा शांति वार्ता गायब है। जयराम रमेश ने कहा कि हकीकत में उन्होंने 2014 की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है, 2019 में लोगों के जताए भरोसे को धोखा दिया और अब 2024 में उनका बाहर होना तय है।

लोस चुनाव नहीं ...

को सीट से मैदान में उतारने का फैसला किया है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ नेता मियां अल्ताफ अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। भट्ट ने अनंतनाग में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आजाद (अनंतनाग-राजौरी सीट से) चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि आजाद के साथ एक बैठक हुई और निर्णय लिया गया कि वकील सलीम पार्रे अनंतनाग-राजौरी सीट के लिए डीपीएपी के उम्मीदवार होंगे। डीपीएपी नेता ने उन कारणों का खुलासा किए बिना कहा कि आजाद के पास चुनाव न लड़ने के कुछ कारण हैं। भट्ट ने कहा उन्होंने (बैठक में) कुछ कारण बताए और फिर हमने पार्रे को सीट से मैदान में उतारने का फैसला किया।

असम लोकसभा चुनाव 2024

हिमंत विश्व शर्मा ने पहले चरण में 50 फीसदी वोट शेयर की भविष्यवाणी की

गुवाहाटी। जैसे ही असम में लोकसभा चुनाव प्रचार का पहला चरण समाप्त हुआ, हिमंत विश्व शर्मा ने प्रत्येक प्रतिस्पर्धी सीट पर 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने यह बयान जोरहाट लोकसभा के शिवसागर में विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए दिया। मतदान परसों 19 अप्रैल को होना है। पांच लोकसभा क्षेत्रों- काजीरंगा, शोनितपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़ और जोरहाट में मतदान 19 अप्रैल को होगा। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता गौरव गोगोई सहित कुल 38 उम्मीदवारों ने 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में कहा गया है कि निर्वाचन क्षेत्रों के निर्दिष्ट अधिकार क्षेत्र के भीतर सभी सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालय, पीआरआई, शहरी स्थानीय निकाय, शैक्षणिक संस्थान, बैंक, चाय बागान और उद्योग सहित व्यावसायिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान मतदान के दिन बंद रहेंगे। पहले चरण में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे कुल 35 उम्मीदवारों में से पंद्रह *करोड़पति* हैं, जिनमें सबसे अमीर काजीरंगा सीट से निर्दलीय महिला उम्मीदवार दिलुवारा बेगम चौधरी हैं। सबसे अमीर भाजपा उम्मीदवार शोनितपुर से उम्मीदवार और विधायक रंजीत दत्ता हैं, जिनकी कुल संपत्ति 8.97 करोड़ रुपए है, जिसमें से 5.52 करोड़ रुपए चल और 3.45 करोड़ रुपए अचल संपत्ति है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की आज राज्य में ताबड़तोड़ रैलियां

गुवाहाटी/नई दिल्ली (हिंस)। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को असम में ताबड़तोड़ रैलियां करेंगे। भाजपा कार्यालय के मुताबिक जे पी नड्डा गुरुवार को सुबह 12 बजे असम के कोकराझार में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। उसके बाद दोपहर पौने दो बजे डंडा सहरिया एचएस खेल मैदान, भेरगांव उदलगुड़ी में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे। उसके बाद जेपी नड्डा दुधनोई राजोहुआ खाल्पाथर में दोपहर करीब चार बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को अहमदाबाद के दौरे पर होंगे। यहां वे वेजलपुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगे।

मणिपुर में कुकी संगठन ने अपने सदस्यों से कहा, लोकसभा चुनाव में मतदान से दूर रहें

इंफाल। कुकी-जोमी आदिवासी समुदाय की शीर्ष संस्था कुकी इनपी सदर हिल्स (केआईएसएच) ने मंगलवार को अपने सदस्यों को आगामी लोकसभा चुनाव में भाग लेने से दूर रहने का निर्देश दिया। केआईएसएच की प्रचार शाखा ने एक बयान में यह स्पष्ट कर दिया कि लोकसभा चुनावों के लिए उनका दृष्टिकोण *बहिष्कार* करना नहीं है, बल्कि *मतदान से दूर रहने* का विकल्प चुनना है। बयान में कहा गया है कि 18वीं लोकसभा चुनाव में कुकी-जोमी समुदाय से कोई उम्मीदवार नहीं है। आदिवासियों के लिए आरक्षित बाहरी मणिपुर संसदीय क्षेत्र में चार उम्मीदवारों के बीच एक सर्वसम्मति वाले उम्मीदवार का चयन करने का प्रयास किया गया था। हालांकि, सर्वसम्मति नहीं बन सकी। इसलिए, कुकी इंपी मणिपुर द्वारा स्वीकार किए गए सभी हितधारकों के साथ तालमेल कर आगामी चुनाव में मतदान से दूर रहने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट के लिए चार उम्मीदवार हैं, जिनमें भाजपा समर्थित नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के उम्मीदवार कचुई टिमोथी जिमिक भी शामिल हैं। विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने इस सीट पर अल्फ्रेड कन्नगम एस. आर्थर को मैदान में उतारा है। जिमिक और आर्थर दोनों नागा समुदाय से हैं। इस सीट के लिए दो स्वतंत्र उम्मीदवार एस खो जॉन और एलिसन अबोनमई भी मैदान में हैं। मणिपुर में दो चरणों में 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को मतदान होगा।

पहले चरण में पांच लोकसभा सीटों पर होने वाले मतदान के लिए प्रचार थमा

गुवाहाटी। असम में पांच लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए प्रचार बुधवार को समाप्त हो गया। इस चरण में मतपत्रों की लड़ाई दो राज्यसभा सांसदों, तीन लोकसभा सांसदों और एक विधायक सहित 35 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेगी। इस चरण में जिन पांच सीटों पर मतदान होना है उनमें डिब्रूगढ़, जोरहाट, काजीरंगा, शोणितपुर और लखीमपुर शामिल हैं। मैदान में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल हैं, जो डिब्रूगढ़ से चुनाव लड़ रहे हैं, और लोकसभा में विपक्ष के उप नेता गौरव गोगोई हैं, जिन्हें कांग्रेस ने जोरहाट से मैदान में उतारा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुवाहाटी में रोड शो किया और बुधवार को बारपेटा निर्वाचन क्षेत्र के तहत नलबाड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया, दोनों में तीसरे चरण में मतदान हो रहा है, लेकिन पार्टी सूत्रों ने दावा किया कि इसका असर पहले चरण के चुनाव पर भी पड़ेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी लखीमपुर में भाजपा के लिए प्रचार किया और डिब्रूगढ़ संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत तिनसुकिया में एक रोड शो किया, जबकि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने पार्टी उम्मीदवार गौरव गोगोई के लिए जोरहाट में एक रोड शो किया। आम आदमी पार्टी (आप) के लिए, जो पहली बार दो संसदीय क्षेत्रों डिब्रूगढ़ और शोणितपुर निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने दोनों सीटों पर प्रचार किया और रोड शो किया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इन पांच निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा अभियान का नेतृत्व किया और केंद्र में अपने पिछले दस वर्षों के शासन के दौरान पार्टी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विपक्षी गठबंधन भी प्रचार के लिए राज्य के नेताओं और नागरिक समाज पर निर्भर था और उम्मीदवार मतदाताओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। अभियान के दौरान सत्तारूढ़ दल द्वारा उजागर किए गए मुद्दे ज्यादातर सर्वांगीण विकास के दावों तक ही सीमित थे, खासकर उत्तर पूर्व में, क्षेत्र में शांति, रोजगार के अवसर, महिलाओं, छात्रों, चाय बागान श्रमिकों के लिए सुविधाएं, आदि। विपक्षी दलों ने मुख्य रूप से राज्य के लोगों की इच्छाओं के खिलाफ नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया, विकास के अधूरे वादे जो कथित तौर पर सभी लाभार्थियों तक नहीं पहुंचे हैं। मैदान में प्रमुख उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, एक राज्यसभा सांसद हैं, जो संयुक्त विपक्ष फोरम, असम (यूओएफए) के उम्मीदवार लुरिनज्योति गोगोई और आम आदमी पार्टी के मनोज धनोवर के खिलाफ प्रतिष्ठित डिब्रूगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में त्रिकोणीय मुकाबले में बंद हैं। जोरहाट में, लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई का मौजूदा भाजपा सांसद टोपोन गोगोई से सीधा मुकाबला है और कड़ी टक्कर की संभावना है। गोगोई को अपने निर्वाचन क्षेत्र को पहले कलियाबोर से जोरहाट में स्थानांतरित करना पड़ा, जिसे पिछले साल परिसीमन के बाद काजीरंगा नाम दिया गया है।

असम के तीन युवकों के जले हुए शव मेघालय में मिले

शिलांग/ग्वालपाड़ा। असम के तीन युवकों के जले हुए शव बुधवार को पड़ोसी मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स जिले में दफन पाए गए, पुलिस ने कहा। जिस वाहन का उपयोग उन्होंने असम के ग्वालपाड़ा जिले से मेघालय में प्रवेश करने के लिए किया था वह भी उसी क्षेत्र, रोंगमिल में जला हुआ पाया गया था। ग्वालपाड़ा के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमें पता चला है कि तीनों व्यक्ति मंगलवार को एक वाहन में मेघालय गए थे। उनके जले हुए शव, आंशिक रूप से दबे हुए, स्थानीय पुलिस ने बरामद किए। ऐसा प्रतीत होता है कि तीन लोगों की हत्या लोगों के एक समूह ने की है। हम मेघालय पुलिस के संपर्क में हैं। तीनों की हत्या क्यों की गई या इसमें कौन शामिल था, यह जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगा। मेघालय पुलिस ने कहा कि शव दो स्थानों पर दबे हुए पाए गए। मेघालय पुलिस के एक अधिकारी ने समाचार पत्रों को बताया कि दो शव एक स्थान पर और दूसरा शव उस क्षेत्र के पास एक अलग स्थान पर मिला जहां वाहन जलाया गया था।

आज तक अरुणाचल प्रदेश में कुल 753 अवैध हथियार जब्त हुए

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी पवन कुमार सइन ने राज्य में एक साथ हो रहे लोक सभा और विधान सभा चुनाव की तैयरियों के बारे में बताते हुए कहा कि राज्य में जांच के दौरान आज तक कुल 753 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं। आज इटानगर के निर्वाचन भवन में मीडिया को सम्बोधित करते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी पवन कुमार सइन ने बताया कि हमने राज्य में शांति पूर्वक चुनाव कराने का निर्णय लेते हुए राज्य के लोगों को अपने-अपने हथियारों को जिला प्रशासन में सौंपने के निर्देश के अनुसार आज 100 प्रतिशत लोगों ने अपने-अपने हथियारों को जमा कर दिया है। इस कमयाबी के लिए उन्होंने सभी जिला प्रशासन और अधिकारियों की प्रशंसा की। लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह राज्य में पहली बार 100 प्रतिशत लाइसेंस वाले बंदूक जमा हुए हैं। आगामी 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए पूरी तैयारी हो रही है, मतदान दल अपने-अपने मतदान केंद्र की ओर रवाना भी हो रही है, आज तक कुल 124 दल ने मतदान के सारे समानों के साथ अपने मतदान केंद्र के लिए पैदल निकल चुके हैं, ताकि समय पर अपने मतदान केंद्र पहुंच सके। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार पूरे राज्य में कुल 2, 226 मतदान केंद्र है। वहीं चुनावी जांच के दौरान 8 करोड़ रुपए से अधिक, 4 करोड़ से अधिक दारु, ड्रग्स आदि जब्त किया है। राज्य में कुल 36 चुनाव से संबंध घटनाएं हुई हैं, जिसमें कुल 199 लोगों की गिरफ्तारी हुई, 33 लोगों को घायल हुए और 166 लोगों की पहचान करते हुए चैतवनी दी गई है। चुनाव अधिकारी के निर्देश का पालन नहीं करने और अपने कर्तव्य नहीं निभाने पर एक जूनियर इंजीनियर को नौकरी से निलंबित भी किया गया है। राज्य में चुनाव के दौरान हो रही कानून व्यवस्था को देखते हुए जरुरतमंद क्षेत्र के सुरक्षा बलों की संख्या को बढ़ा दिया गया है।

भाजपा जीती तो लोकतंत्र नहीं रहेगा, चुनाव नहीं होगा : ममता

सिलचर (हिंस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि यदि भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार जीत कर केंद्र में सत्ता में आती है तो यहां लोकतंत्र नहीं बचेगा न ही फिर से कभी चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूरे देश को डिटेंशन कैंप बना दिया है। मैंने अपने जीवन में इतना खतरनाक चुनाव कभी नहीं देखा था। ममता बनर्जी बुधवार को सिलचर में तृणमूल कांग्रेस के चारों उम्मीदवारों के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी असम की सभी 126 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक ट्रेलर है फाइनल अभी बाकी है। वह फिर से आएंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि अगर इंडी गठबंधन की केंद्र में सरकार बनती है तो राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी), नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) आदि को रद्द कर दिया जाएगा साथ ही समान नागरिक संहिता लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम सभी धर्म के प्रति समान भाव रखते हैं।

इंडिया-म्यामार बॉर्डर के निकट 30 लाख रुपए की हेरोइन जब्त, एक गिरफ्तार

एजल। मिजोरम के चंपई जिले में 30.10 लाख रुपए की हेरोइन जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। असम राइफल्स ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, असम राइफल्स ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए राज्य पुलिस के सहयोग से रविवार को भारत-म्यांमा सीमा के निकट जोटे गांव में एक अभियान चलाया और 43 ग्राम हेरोइन जब्त की। बयान में बताया गया कि एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और ऐसा माना जा रहा है कि आरोपी इसे म्यांमा से तस्करी कर लाया था। एजल में शनिवार को 325.3 ग्राम हेरोइन जब्त की गई थी, जिसकी कीमत 2.27 करोड़ रुपए है। इसके साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। असम राइफल्स ने बताया कि शनिवार को एक अन्य अभियान में लॉन्तलाई जिले के वासेकी थाना क्षेत्र के पारवा गांव में बीस गोली वाली एक मैगजीन जब्त की गई।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव एवं 2550वां निर्वाणोत्सव समिति का गठन

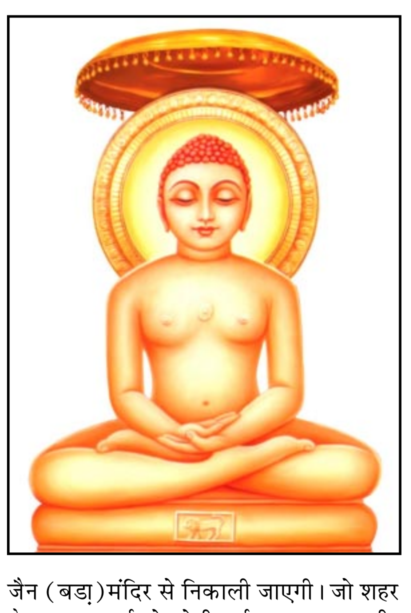

गुवाहाटी। प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी आगामी 21 अप्रैल (रविवार) को जैन धर्म एवं वर्तमान काल के अंतिम 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव एवं 2550 वें निर्वाणोत्सव को भव्यता के साथ संपन्न करने हेतु महोत्सव के तहत किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा पर विचार-विमर्श तथा व्यवस्थित कार्यक्रम संपादन करने हेतु श्री दिगंबर जैन पंचायत कि कार्यकारणी बैठक हुई। इस बैठक में जैन समाज की एकता को कायम रखते हुए प्रति वर्ष की भांति इस बार भी सकल जैन समाज, गुवाहाटी द्वारा सामूहिक आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अन्तर्गत सकल दिगंबर जैन समाज, गुवाहाटी सहित ओसवाल समाज के सभी चारों घटक शामिल होंगे। इस दो दिवसीय समारोह का आगाज 20 अप्रैल (शनिवार)को फैंन्सी बजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर से प्रात:6:0 बजे पुखराज पांड्या के संयोजन में प्रभात फेरी निकाली जायेगी। समारोह का मुख्य आयोजन 21 अप्रैल (रविवार) को संजय रारा के नेतृत्व में प्रात:8:30 बजे फैंन्सी बजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा)मंदिर से निकाली जाएगी। जो शहर के प्रमुख मार्ग से होती हुई भगवान महावीर धर्मस्थल पहुंचेगी। जहां महावीर प्रसाद पाटनी एवं विजय कुमार गंगवाल के नेतृत्व में भगवान महावीर का कलशाभिषेक कार्यक्रम संपन्न होंगा। कार्यक्रम के समापन पश्चात महावीर भवन धर्मस्थल में सुरेश कुमार बाकलीवाल एवं मनोज कुमार बिनायक्या के नेतृत्व में सकल जैन समाज का सामूहिक जीमनवार होगा। जिसका दायित्व ताराचंद ठोल्या को दिया गया है। महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के समापन पर सायंकाल कि जाने वाली विशेष आरती को संपन्न कराने की जिम्मेदारी रामचंद्र सेठी को दी गई है। इस महोत्सव को भव्यता प्रदान करने के लिए श्री दिगंबर जैन मंदिर सहित महावीर भवन धर्मस्थल, भगवान महावीर धर्म स्थल तथा दिगंबर जैन औषधालय को विद्युत संचालित रंग-बिरंगे बल्बों से सजाने का कार्य संजय रारा एवं अशोक कुमार छाबड़ा को दिया गया है। कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी देने की जिम्मेदारी प्रचार-प्रसार के ओमप्रकाश सेठी, किशोर काला तथा सुनील कुमार सेठी को सौंपी गई है। महोत्सव के अवसर पर गरीबों/असहाय की सहायता करने का दायित्व बिमल कु. सौगानी, जय कु. छाबड़ा, प्रकाश चंद गोधा एवं निरंजन कु. गंगवाल को सौंपी गई है। यह जानकारी प्रचार प्रसार विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

श्रीराम मंदिर में भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन

गुवाहाटी। राम नवमी के पावन अवसर पर श्रीराम मंदिर रेलवे गेट नं 2 पुलिस रिजर्व के सामने गुवाहाटी में जय श्री राम भक्त मंडल साऊथ शरनिणा गुवाहाटी एवं जानकी महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन सुबह 10.30 बजे से बड़े ही धूमधाम से किया गया। राम जी के जन्म के उपलक्षय में 12.00 बजे महाआरती हुई तत्पश्चात प्रसाद वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनेकों व्यक्ति उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर में पहली बार नॉर्थ-ईस्ट टेक्सटाइल एक्सपो का आयोजन 18 मई से

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर में पहली बार इंटरनेशनल ट्रेड कॉरपोरेशन (आईटीसी) के तत्वावधान में नॉर्थईस्ट टेक्सटाइल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। रामनवमी के मौके पर नॉर्थईस्ट टेक्सटाइल एक्सपो के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन मृणाल गिनेरीवाल, विक्रम मोदी व नमीश गिनेरीवाल ने किया। इस मौके पर मृणाल गिनेरीवाल ने कहा की आठगांव स्थिति श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में आगामी 18 से 20 मई के बीच इस नॉर्थईस्ट टेक्सटाइल एक्सपो का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर के इतिहास में पहली बार पानीपत के कई बड़े मैन्युफैक्चरर इस नॉर्थईस्ट टेक्सटाइल एक्सपो में हिस्सा लेने के लिए पहुंचेंगे। इस एक्सपो की विशेष बात यह है कि इसमें ब्लैंकेट, बेडशीट, क्विल्ट, बेड कवर, हैंडलूम गुड्स, होम फर्निशिंग आदि एक छत तले छोटे बड़े व्यापारियों के लिए उपलब्ध होंगे। इसमें असम सहित पूर्वोत्तर के सभी छोटे बड़े व्यापारी अपने कारोबार को और अधिक गति देने के लिए हिस्सा ले सकते हैं। इस दौरान बी2बी मीट का आयोजन भी किया जाएगा, जिसके जरिए असम सहित पूर्वोत्तर के छोटे बड़े व्यापारियों को सीधे पानीपत के मैन्युफैक्चर के साथ बातचीत व कारोबार करने का सुनहेरा मौका मिलेगा। इस एक्सपो के माध्यम से यहां के व्यापारियों को न केवल अपने व्यापार को बढ़ाने का मौका मिलेगा, बल्कि कई अनदेखे उत्पादो को भी जाचने परखने का मौका मिलेगा। श्री मोदी ने कहा की पानीपत की तीस से अधिक बड़े मैन्युफैक्चर हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने आशा जताई कि इस नॉर्थ-ईस्ट टेक्सटाइल एक्सपो से असम सहित पूर्वोत्तर के सभी छोटे बड़े व्यापारियों को लाभ मिलेगा।

मणिपुर पुलिस ने 152 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 152 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 376 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 130 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

जय अंबे सत्संग समिति का नौ दिवसीय चैत्र नवरात्रा कार्यक्रम संपन्न

नगांव (निसं)। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में नगांव की धार्मिक एवं अग्रणी संस्था जय अंबे सत्संग समिति के तत्वाधान में 9 दिवसीय भजन कीर्तन एवं धार्मिक कार्यकर्मों का आयोजन बड़े ही धूमधाम एवं भक्ति पूर्ण माहौल में किया गया। इस कड़ी में नवरात्रि के प्रथम दिन दिनांक 9 अप्रैल मंगलवार से 17 अप्रैल बुधवार तक दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक समिति की सदस्याओं द्वारा रोजाना भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कांता भारतीया, उमा चौधरी, लक्ष्मी विदासरिया, रचना बंका, मीना धानीवाल, मंजू सोभासरिया, लता शोभासरिया, हर्षदा सोलंकी, यशोदा माहेश्वरी, बबीता शर्मा, विमला शर्मा, मंजू शर्मा, पूर्णिमा देवी मोर, नीतू पोद्दार, तुलसी बंका, सरला महर्षि, उर्मिला सिंह एवं अन्य सदस्यों ने अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया। नौ दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत माता का तीन बार भव्य एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। महा सप्तमी के दिन मां की महाआरती का आयोजन किया गया जिसमें मंदिर प्रांगण एवं पांडाल की सारी लाइट बंद करके दियो की रोशनी से मां की महाआरती की गई। वही दिनांक 16 अप्रैल मंगलवार को महा अष्टमी के दिन मां का विशेष फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया एवं सवामणी का प्रसाद माता को अर्पित किया गया। इसके साथ ही दोपहर 3 बजे से विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय भजन गायक मुकेश पोद्दार एवं अरुण नागरका ने श्री गणेश वंदना कर एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। साथ ही नगांव के भजन गायक पत्रकार अजय महतो, संजय पोद्दार, कुमकुम सोनी, स्नेहा शर्मा, अमित रजक, सुपन कुमार उपाध्याय ने भी एक से बढ़कर एक माता के भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया। इसी कड़ी में 6 बजे माता को गजरा अर्पण किया गया, गजरे गीत पर नृत्य का प्रदर्शन स्वीटी शर्मा एवं अनुष्का शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में मंदिर में 7 बजे से सामूहिक आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। उक्त समस्त कार्यक्रमों की समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ ईत्तर समाज ने भी भूरी भूरी प्रशंसा की।

संपादकीय

विस्तार पाते 'संकल्प'

भाजपा के 'संकल्प-पत्र' में कुछ भी नयापन नहीं है। योजनाओं का या तो विस्तार किया गया है अथवा राष्ट्रीयकरण की घोषणा की गई है। भाजपा पूरी तरह प्रधानमंत्री मोदी के रिकॉर्ड और लोकप्रियता के भरोसे है। प्रत्यक्ष रेवडियों अथवा मुफ्तखोरी का कोई भी संकल्प नहीं किया गया है। देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों के लिए 5 किलो 'मुफ्त अनाज' की योजना 2029 तक जारी रहेगी। यह देश आकलन करेगा कि वह इसे 'मुफ्तखोरी' की जमात में रखता है अथवा इसे सामाजिक-राष्ट्रीय कल्याण की जरूरत मानता है! हालांकि कोरोना-काल के काले-आर्थिक प्रभाव अब समाप्त हो चुके हैं। बहरहाल भाजपा का चुनावी घोषणा-पत्र एक राजनीतिक दस्तावेज होने के बजाय प्रशासनिक कार्यक्रम का रोड मैप अधिक लगता है, ताकि देश स्थिर और सशक्त बना रहे। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर काफी आश्वस्त हैं, लिहाजा मौजूदा योजनाओं के विस्तार घोषित किए गए हैं। मसलन-70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को 'आयुष्मान भारत' के दायरे में रखा जाएगा। ऐसे बुजुर्ग गरीब हों या मध्यवर्गीय हों अथवा सम्पन्न हों, सभी को 5 लाख रुपए तक 'मुफ्त इलाज' की सुविधा दी जाएगी। सरकार ने 60-70 साल के सभी बुजुर्गों को इस योजना में क्यों नहीं रखा, इसका स्पष्टीकरण सरकार ही दे सकती है। इस आयु-वर्ग को भी कंपनियां 'स्वास्थ्य बीमा' नहीं देती हैं अथवा बीमे की किस्त बहुत महंगी होती है। यदि सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान' के दायरे में रखा जाता, तो भाजपा एक और लाभार्थी वर्ग तैयार कर सकती थी। भाजपा ने 'समान नागरिक संहिता', 'एक राष्ट्र, एक चुनाव', 'नागरिकता संशोधन अधिनियम', '3 करोड़ लखपति दीदी' आदि योजनाओं को लागू करने या विस्तार देने की घोषणा की है। भाजपा के वैचारिक कार्यक्रमों में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना और समान नागरिक संहिता शामिल रहे हैं। अब सिर्फ नागरिक संहिता को ही देश भर में लागू करना शेष है। यह मोदी सरकार के नए कार्यकाल के दौरान सम्पन्न किया जा सकता है। शुक्र है कि 'संकल्प-पत्र' में एनआरसी का कोई जिक्र नहीं है। भाजपा की वैचारिकता में 'तीन तलाक का कानून' और नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत विदेशों में पीड़ित हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदायों को भारत की नागरिकता देना प्रधानमंत्री मोदी ने शामिल किया था। इससे औसतन 18-20 फीसदी मुस्लिम वोट भी भाजपा के पक्ष में आने लगे हैं। 'संकल्प-पत्र' में गरीबों के लिए 3 करोड़ और पक्के घर बनाना, जबकि 4 करोड़ बनाए जा चुके हैं, मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ा कर 20 लाख रुपए करना, गांवों में 3 करोड़ लखपति दीदी और बनाना, 6000 रुपए की पीएम किसान सम्मान निधि आदि पुरानी योजनाएं ही हैं, जिनमें विस्तार किया गया है अथवा यथावत जारी रखा गया है। इन विस्तारों की घोषणा 'अंतरिम बजट' में और 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय संबोधन में भी की जा चुकी है। एक योजना में कुछ नयापन प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री ने बताया है कि आगामी 5 साल तीन तरह के बुनियादी ढांचे पर फोकस किया जाएगा-सोशल, डिजिटल और फिजिकल। सोशल में नए संस्थान, मेडिकल कॉलेज, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कॉलेज, ट्रक चालकों के लिए राजमार्गों पर आरामगाह बनाए जाएंगे। डिजिटल में 5-जी विस्तार और 6-जी पर काम, इंडस्ट्री के लिए 4.0 आधारभूत ढांचे पर काम किया जाएगा। फिजिकल में राजमार्ग, रेलवे, एयरवे, वाटरवे आदि को आधुनिकतम बनाएंगे। 'संकल्प-पत्र' के 78 पन्नों में 24 गारंटियों के साथ 292 वायदे किए गए हैं। ऐसा नहीं है कि महंगाई, बेरोजगारी आदि का उल्लेख ही नहीं है। दरअसल मोदी सरकार के 10 सालों में ये दोनों मुद्दे नियंत्रण में रखने की कोशिशें हुई हैं। चूंकि भारत उत्पादन और विनिर्माण का हब बनता जा रहा है, लिहाजा रोजगार भी पैदा हुए हैं। सरकारी नौकरी सभी के लिए संभव नहीं है, लेकिन सुखद है कि मुद्रास्फीति 5-6 फीसदी के दायरे में रही है। ऐसा भी दौर भारत ने देखा है, जब मुद्रास्फीति 24-26 फीसदी या 12-14 फीसदी होती थी।

देश के 80 करोड़ से अधिक गरीबों के लिए 5 किलो 'मुफ्त अनाज' की योजना 2029 तक जारी रहेगी। यह देश आकलन करेगा कि वह इसे 'मुफ्तखोरी' की जमात में रखता है अथवा इसे सामाजिक-राष्ट्रीय कल्याण की जरूरत मानता है! हालांकि कोरोना-काल के काले-आर्थिक प्रभाव अब समाप्त हो चुके हैं। बहरहाल भाजपा का चुनावी घोषणा-पत्र एक राजनीतिक दस्तावेज होने के बजाय प्रशासनिक कार्यक्रम का रोड मैप अधिक लगता है, ताकि देश स्थिर और सशक्त बना रहे। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर काफी आश्वस्त हैं, लिहाजा मौजूदा योजनाओं के विस्तार घोषित किए गए हैं। मसलन-70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों को 'आयुष्मान भारत' के दायरे में रखा जाएगा। ऐसे बुजुर्ग गरीब हों या मध्यवर्गीय हों अथवा सम्पन्न हों, सभी को 5 लाख रुपए तक 'मुफ्त इलाज' की सुविधा दी जाएगी।

भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

ललित गर्ग

सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं।

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा

सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है। भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- "जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई"। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें। राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है।

दृष्टि कोण

स्थिर और मजबूत रुपए की आहट

कई दशकों की लगातार गिरावट के बाद वर्ष 2023-24 में रुपया स्थिर होने लगा है, खासकर इसकी तीसरी और चौथी तिमाही में। हम कह सकते हैं कि वर्ष 2023-24 भारतीय रुपए के लिए बहुत शुभ रहा। गौरतलब है कि वर्ष 2023-24 की पहली दो तिमाहियों में रुपए में डॉलर के मुकाबले मात्र 1.0 प्रतिशत का अवमूल्यन हुआ था। लेकिन इस वित्तीय वर्ष की अंतिम दो तिमाहियों में रुपया-डॉलर विनिमय दर 83.0 रुपए प्रति डॉलर के आसपास स्थिर हो गई। इस प्रकार की स्थिति आम तौर पर अतीत में नहीं देखी गयी है। हम देखते हैं कि 1980 के दशक से ही रुपए का मूल्य लगातार गिरता रहा है, जब हमारा देश प्रशासित विनिमय दर की व्यवस्था से हटकर बाजार द्वारा निर्धारित विनिमय दर पर आ गया था। यह उल्लेखनीय है कि रुपया-डॉलर विनिमय दर 1982 में 9.46 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर से बढक़र 31 मार्च 2023 में 82.17 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर हो गई थी। इसका अभिप्राय यह है कि 1982 से लेकर मार्च 2023 तक डॉलर में 868.6 प्रतिशत की गिरावट आई है, यानी पिछले 41 सालों में 5.41 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से रुपए का अवमूल्यन हुआ है। ऐसा देश में तेजी से बढ़ते आयातों और उससे कहीं कम गति से बढ़ते निर्यातों के कारण हुआ है। घटता चालू खाता घाटा : पिछले एक साल में, हम माल और सेवाओं के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देख रहे हैं। चालू खाते पर घाटा वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में घटकर केवल 28 अरब अमरीकी डॉलर रह गया है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 1.2 प्रतिशत है। चौथी तिमाही के पहले दो महीनों में घाटा अधिशेष में बदल गया है। यदि यही प्रवृत्ति जारी रहती है, तो पूरे वर्ष के लिए चालू खाते पर घाटा लगभग 30 अरब अमरीकी डॉलर तक कम हो सकता है, जो सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत से भी कम हो सकता है, जो वर्ष 2022-23 के चालू खाते पर घाटे (66 बिलियन अमरीकी डॉलर, सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 प्रतिशत) से बहुत कम है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तीन तिमाहियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, हालांकि थोड़ा कम है, लेकिन भारतीय मूल के लोगों से आने वाले प्रेषण में वृद्धि से इसकी भरपाई हो रही है। इसी प्रकार, अमरीका और यूरोप में बढ़ती बेरोजगारी के बावजूद, भारतीय मूल के लोगों से आने वाले धन में वृद्धि जारी रही और 2022-23 में 125 अरब अमरीकी डॉलर के मुकाबले 2023-24 में इसके 135 अरब अमरीकी डॉलर

होने की संभावना है। डॉलर की बढ़ रही हैं मुश्किलें : प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही हम डॉलर के मूल्य में निरंतर वृद्धि देख रहे हैं। प्रथम विश्व युद्ध के बाद मित्र राष्ट्रों ने आपूर्ति के बदले में संयुक्त राज्य अमरीका को सोने में भुगतान करना शुरू कर दिया, जिसके कारण अमरीका दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार बन गया। युद्ध की समाप्ति के बाद विभिन्न देशों ने अपनी मुद्राओं को डॉलर से जोड़ दिया और इसके साथ ही दुनिया में 'गोल्ड स्टैंडर्ड' समाप्त हो गया और इस प्रकार डॉलर दुनिया की सबसे पसंदीदा मुद्रा बन गई। सभी देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार का अधिक से अधिक हिस्सा डॉलर के रूप में रखने लगे। लेकिन वर्ष 2000 के बाद अंतरराष्ट्रीय रिजर्व मुद्रा के रूप में डॉलर का महत्व कम होता गया और अब यह लगभग 58 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इतिहास में दुनिया भर के देशों के डॉलर के प्रति आकर्षण के कारण, डॉलर दुनिया की अन्य मुद्राओं, विशेष रूप से विकासशील देशों की मुद्राओं के मुकाबले लगातार मजबूत होता गया। भारत में जहां 1964 में एक डॉलर केवल 4.66 रुपए के बराबर था और अब यह लगभग 83.38 रुपए प्रति अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है। शायद इसीलिए दुनिया के सभी देश डॉलर को आरक्षित मुद्रा के रूप में रखने और अपने सभी अंतरराष्ट्रीय भुगतान केवल डॉलर में करने में रुचि रखते हैं। डॉलर की इस बढ़ती मांग के कारण, डॉलर साल दर साल मजबूत होता रहा। हालांकि वर्ष 2000 में अंतरराष्ट्रीय रिजर्व करंसी के रूप में अमरीकी डॉलर का हिस्सा 70 प्रतिशत से घटता हुआ अभी तक मात्र 58 प्रतिशत ही रह गया है, लेकिन अमरीकी फेडरल रिजर्व का दावा है कि अमरीकी डॉलर वैश्विक स्तर पर सबसे पसंदीदा मुद्रा बनी हुई है, लेकिन समझना होगा कि डॉलर की लोकप्रियता में गिरावट निरंतर जारी है। हम देखते हैं कि अधिकांश देश धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से डॉलर व्यापार से दूर जा रहे हैं।

कुछ अलग

गोली मार भेजे में

लोकतंत्र की गंदली और दिन पर दिन सूख रही नदी की मौज़ों में घंटों मौज करने के बाद एक चट्टान पर लेटे झुन्नू लाल विटामिन डी का आनन्द उठा रहे थे। हफ्ते के छः दिन, एक कारख़ाने में बारह घंटे, आठ हजार रुपये की मज़दूरी करने वाले झुन्नू को आज रविवार की छुट्टी थी। देश में मौज पूरी तरह उतरी नहीं थी। लोकतंत्र की नदी में अभी कुछ जीवन शेष था। नहीं तो हो सकता था कि वह हफ्ते के सातों दिन कारख़ाने में मौज मारने के आदी हो जाते। कई दिनों से घर के सरकारी नल में पानी, बरसों से महंगाई से मिली राहत की तरह ग़ायब था। महंगाई से राहत न मिलने पर आदमी सालों किसी तरह जी लेता है। लेकिन बिना नहाए कितने दिन रह सकता है। मजबूरन, नहाने के लिए मुझे नदी पर जाना पड़ा। झुन्नू को देखते ही मैं चहक उठा। लगा कि कोई तो अपना है। सोचा कि लोकतंत्र की नदी में गहरे उतरते हुए पांव फिसलने पर कोई तो बचाने वाला होगा। नहीं तो डूबने वाले कितने लोग जमानत को तरस रहे हैं। झुन्नू के पास पहुंचा तो देखकर दंग रह गया। औंधे लेटे हुए अपने साथ लिटाए मगरमच्छ के बच्चे को थपकी देकर सुला रहे थे। मैंने नोट किया कि उनका सिर पारदर्शी लग रहा है। पूछा तो कहने लगे कि समाज में कुतर्क इतना बढ़ गया है कि भेजा निकाल कर घर की अलमारी में बंद कर दिया है। लेकिन ताला अलीगढिया नहीं, गोदरेज का लगाया है। हो सकता है कि अलीगढ़ का ताला विधर्मी निकले। फिर गाने लगे, 'गोली मार भेजे में, ढिचकियाऊं कि भेजा शोर करता है।' उनके साथ-साथ मगरमच्छ का बच्चा भी अपने पंजे से ताल देने लगा। लेकिन मेरी उत्सुकता शांत नहीं हुई। मैंने उनसे अनुनय करते हुए भेजा निकालने की वजह पूछी तो वह पालथी मार कर बैठ गए। मगरमच्छ के बच्चे को अपनी गोद में लेकर सहलाते हुए गाने लगे, 'मैं भी मुंह में ज़बान रखता हूं, काश पूछो कि मुद्दा क्या है?' फिर आंखें बंद करके किसी गहरे में उतरते हुए बोले, 'सिर में गोबर भरने से बेहतर है कि दिमाग़ निकाल कर अलमारी में रख दो। कम से कम सार्वजनिक जीवन में कुतर्क तो नहीं झेलने पड़ेंगे। अगर कोई सिर में गोली भी मारेगा तो आरपार हो जाएगी। नहीं तो सिर में गोबर होने पर गोली बीच में फंस सकती है। ऐसे में कोमा में जाने की पूरी संभावना है। कुतर्कों को देखकर भेजा शोर किए बिना रह नहीं सकता। बच्चे अभी छोटे हैं और बीवी ज़वान। फिर मुझ में देश सेवा का वह जज़्बा भी नहीं कि उन्हें छोड़ कर घर से भाग जाऊं। बाबू! तर्क के सहारे लडने पर मन तो मारा जा सकता है। लेकिन पेट कौन मारेगा? अढ़ाई फुट का यह गड्ढा तो खाना माँगता है, मुसलसल। अपने बौद्धिक विलास के लिए मैं अपने परिवार को ख़त्म नहीं कर सकता। पर यह समझ नहीं आता कि आदमी मगरमच्छ हो गया है या मगरमच्छ आदमी। लेकिन देखो! दोनों में कितना प्रेम बढ़ गया है। मेरी गोद में यह मगरमच्छु कितना पुरसुकूं महसूस कर रहा है। कोमा में जाने से बेहतर है कि आदमी ज़ोम्बी बन कर जीता रहे। फिर चाहे भेजा निकाल कर जिए या गोबर भर कर। कम से कम परिवार का साथ तो बना रहेगा। हां, भेजा निकालने का इतना फायदा अवश्य होता है कि आदमी कुतर्कों में नहीं जीता। दिमाग़ में गोबर होने पर आदमी कुतर्की हो जाता है।' उनके जवाब से मुत्तासिर होते मैंने उनसे भेजे को तिलांजलि देने की असली वजह जाननी चाही तो बोले कि जिस समाज में चुनावों में खड़े उम्मीदवार कुतर्कों के सहारे अपने आपको सही ठहराते हुए अपना चुनाव प्रचार करें और उनके समर्थक भी उनके पक्ष में मतदान करें, उसके पतन को कौन रोक सकता है। उनके जवाब से पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद, मैं उनकी गोद से मगरमच्छु को अपनी बांहों में लिए, बिना कुछ देखे और सोचे-समझे लोकतंत्र की नदी में नहाने के लिए कूद पड़ा।

देश दुनीया से

राजनीति में भी चमके मीडिया के सितारे

मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने पूवरेत्तर को दिल्ली से दिल से बेहद करीब लेकर आईं है। भाजपा की झोली कितनी भरेगी पूवरेत्तर से जिस पूवरेत्तर भारत में सूरज की किरणें सबसे पहले पहुँचती हैं वहाँ की जानता तैयार है, एक बार फिर लोकसभा चुनावों में अपना पैसला सुनाने के लिए। बेशक, भारतीय जनता पाटा आगामी लोकसभा चुनावों में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है, तो 25 सीटें पूर्वाचल प्रदेशों की भी उसमें शामिल हैं। पूवरेत्तर राज्यों में आगामी 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मईं को लोक सभा चुनाव के लिए मतदान होना है। अगर बात पिछले यानी 2019 के लोकसभा चुनाव की करें तो पूवरेत्तर में भारतीय जनता पाटा ने जो झंडे गाड़े थे, उसे इस बार भी थामे रखने का पाटा को पूरा भरोसा है।

भाजपा की झोली कितनी भरेगी पूवरेत्तर से मोदी सरकार ने पूवरेत्तर के लोगों के दरवाजे तक गवर्नेस पहुंचाने का प्रण लिया है। उन्होंने इस धारणा को बदल दिया है कि पूवरेत्तर बहुत दूर है। मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने पूवरेत्तर को दिल्ली से दिल से बेहद करीब लेकर आईं है। भाजपा की झोली कितनी भरेगी पूवरेत्तर से जिस पूवरेत्तर भारत में सूरज की किरणें सबसे पहले पहुँचती हैं वहाँ की जानता तैयार है, एक बार फिर लोकसभा चुनावों में अपना पैसला सुनाने के लिए। बेशक, भारतीय जनता पाटा आगामी लोकसभा चुनावों में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है, तो 25 सीटें पूर्वाचल प्रदेशों की भी उसमें शामिल हैं। पूवरेत्तर राज्यों में आगामी 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मईं को लोक सभा चुनाव के लिए मतदान होना है। अगर बात पिछले यानी 2019 के लोकसभा चुनाव की करें तो पूवरेत्तर में भारतीय जनता पाटा ने जो झंडे गाड़े थे, उसे इस बार भी थामे रखने का पाटा को पूरा भरोसा है। इस भरोसे के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह विश्वास है कि उन्होंने जिस तरह से पूवरेत्तर की विकास की योजनाएं सिरे चढ़ाईं हैं, उसके बाद वहां की जनता उनकी पाटा और सरकार को कभी नहीं भूलेगी। इसमें एक पक्ष यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी की तरह ही गृहमंत्री अमित शाह ने भी पूरे पूवरेत्तर भारत में विभिन्न शांति समझौते के तहत एक स्थायी शांति का माहौल बनाया है। चुस्त आंतरिक सुरक्षा के कारण ही पूवरेत्तर के पूरे इलाके में कोईं बड़ी हिसक वारदात सुनाईं नहीं पड़ रही है। हां मणिपुर इसका एक अपवाद अवश्य है और वहाँ भी गृह मंत्रालय ठोस समाधान की तरफ बढ़ रहा है। या सात बहनें कही जाने वाली राज्य इकाइयों समेत क्षेत्र के सभी आठ राज्यों को मिलाकर वुल 25 लोक सभा की सीटें हैं। असम में सबसे ज्यादा लोकसभा की 14 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 25 में से 21सीटें मिलीं थीं। भाजपा अब की बार पिछला आंकड़ा पार करना चाहती है। अभी तक इंडिया गठबंधन ने ऐसा कोईं संकेत नहीं दिया है कि उनका कोईं बहुत बड़ा स्टेक पूवरेत्तर के राज्यों में लगा है। ममता बनजा की टीएमसी और शरद पवार की एनसीपी पिछले चुनावों में यहां वुछ करने की एक अलग कोशिश की भी थी, लेकिन इस बार वह कोशिश भी कहीं दिखाईं नहीं दे रही है। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि शरद पवार खुद अपनी पाटा और अपनी वजूद के लिए अपने भतीजे से लड़ रहे हैं तो ममता बनजा अपने घर में ही भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक उपद्रवियों को बचाने के कारण घिरी हुईं हैं। पूवरेत्तर में भाजपा पर विश्वास की वजह पिछले दस साल में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की सायि रूप से विकास पर फोकस और शांति स्थापना की कोशिश है। इसके अतिरित्त पूर्वाचल प्रदेशों के प्रभारी और सह - प्रभारी डॉ0 संबित पात्रा और राष्ट्रीय सचिव त्रतुराज सिन्हा के लगातार प्रवासों और दिन - प्रतिदिन को मॉनिटरिग ने पूवरेत्तर राज्यों में भाजपा के संगठन को मज़बूत ही किया है। मणिपुर में हालांकि केवल 2 लोक सभा की सीटें है, लेकिन मोदी सरकार के लिए वहाँ के जनजातीय संघर्ष को खत्म करना बहुत जरूरी है। क्योंकि मणिपुर हिसा इस समय एक राष्ट्रीय मुद्दा बना हुआ है, जो एकतरह से पिछली कांग्रेसी सरकारों की देंन ही मानी जाती है। इस दशकों पुरानी समस्या के किसी सर्वमान्य निर्णय की लगातार कोशिश गृह मंत्री अमित शाह कर भी रहें हैं। हाल ही में एक ऐतिहासिक घटनाम में भारत सरकार और मणिपुर सरकार ने मणिपुर के सबसे पुराने सशस्त्र समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन प्रंट (यूएनएलएफ) के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता सामान्य रूप से उत्तर पूर्व और विशेष रूप से मणिपुर में शांति के एक नए युग की संभावना को जन्म देता है। पहली बार है कि घाटी स्थित एक मणिपुरी सशस्त्र समूह हिसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने और भारत के संविधान और देश के कानूनों का सम्मान करने पर सहमत हुआ है। यह समझौता न केवल यूएनएलएफ और सुरक्षा बलों के बीच शत्रुता को समाप्त करेगा, जिसने पिछली आधी शताब्दी से अधिक समय से हजारों लोगों की जानें लीं, बल्कि समुदाय की दीर्घकालिक चिताओं को दूर करने का अवसर भी प्रदान करेगा। यूएनएलएफ 1964 से ही सायि था और यह भारतीय क्षेत्र के भीतर और बाहर दोनों जगह अपना ऑपरेशन चला रहा था। पूवरेत्तर में स्थायी शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले कार्यकाल से ही तत्पर और सायि हैं। गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों की नीतियां समस्याओं से ध्यान भटकाने और सत्ता का आनंद लेने की रही थी। जिसके कारण क्षेत्र में हजारों लोगों की मौत हुईं। मोदी सरकार ने न केवल इन समस्याओं के स्थायी निदान के लिए पहल की, बल्कि उग्रवादी गुटों को भी हिसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए ईंमानदारी से कोशिश की। असम में पिछले 40 साल में पहली बार सशस्त्र उग्रवादी संगठन उल्फा ने भारत और असम सरकार के साथ त्रिपक्षीय शांति समझौते पर कायम है।

आप का नजरीया

हिमाचल में लौटा पोलिथीन

बहुत वर्ष नहीं हुए जब तत्कालीन धूमल सरकार ने देश के पहले हिमालयी राज्य को पॉलिथीन मुक्त करने का बीड़ा उठाया और इस क्रांतिकारी कदम ने एक इतिहास लिख दिया, लेकिन इस व्यवस्था की बाद की सरकारें रक्षा न कर सकीं। पड़ोसी राज्यों की संगत में धीरे-धीरे लौट आया पॉलिथीन, क्योंकि पहाड़ के नियम तो सरकारें बदलते ही दफन हो जाते हैं। सर्वप्रथम जनता ही इनका शिकार करती है, जबकि प्रशासन को अब ऐसे कार्यों की फुसर्त ही कहां। आश्चर्य यह कि इस बीच स्वच्छता अभियान चले। गांव-गांव में सांसदों के नाम पर डस्टबिन लग गए, लेकिन कचरा और नजदीक तथा पॉलिथीन जमीन में धंस गया। हिमाचल ने पॉलिथीन यानी प्लास्टिक की बरसात देखनी हो, तो गांव से शहर तक की करतूत के हादसे किसी भी खड्ड, नदी या जलस्रोत के करीब देखिए। एक व्याख्या तो साल में राष्ट्रीय स्वच्छता का सर्वेक्षण कर देता है और ताज्जुब यह कि शिमला जैसा शहर भी हमने गंदगी की घुटनों तक पहुंचा दिया। आलम यह कि अश्विनी खड्ड के मुहाने तरस गए कि शिमला खुद को संभाल लेगा। यह हर शहर की दास्तान है, जहां वर्षों से कूड़े में प्लास्टिक लद रहा है। शहरों के साथ बहती खड्डें व नदियां बदनाम हैं और यही आगे चलकर हर बांध में तैरती जुबान है। हम जिसे सिल्ट कहते, उसके भीतर हर साल जमा हो रहा है हमारे फर्ज का कूड़ा। कितना मासूम है हिमाचल का प्रशासन। अब तो सचिवालय को मालूम नहीं होता कि बाहर शिमला में आती-जाती सडक़ों का स्थायी बाशिंदा पॉलिथीन है। किसी ने चलती गाड़ी से फेंका, किसी ने चाकलेट डे मनाया, तो प्लास्टिक भी खुली हवा में चल गया। हर पर्यटक स्थल और बड़े शहरों में आ गई खाने की कोई न कोई चेन। अच्छी पैकिंग में बिकते व्यंजन और साथ में मुफ्त का कोल्ड ड्रिंक जब खत्म होता है, तो शहर की नालियां बताती हैं कि पर्यटन से प्लास्टिक का कितना भयानक रिश्ता है। दूध की थैलियां, ब्रेड के पैकेट और सब्जी की दुकानदारी में शरीक पॉलिथीन अब हमारे परिवेश से पुनः गलबहियां कर रहा है। सवाल नागरिक स्वच्छता से सामुदायिक व्यवहार तक आपत्तियां दर्ज कर रहा है, तो कौन भविष्य के प्रश्नों पर उत्तर खोजेगा। पॉलिथीन हमारी व्यवस्था से इस कद्र चस्पां है कि सरकारी कार्यालय भी ऐसी चुनौती के पर्याय बने हुए हैं। उदाहरण के लिए धर्मशाला स्थित जिलाधीश कार्यालय का पार्किंग हिमाचल का सबसे बड़ा पॉलिथीन स्टोर व आवारा पशुओं द्वारा फैलाई गई गंदगी का खजाना बना हुआ है। आश्चर्य यह कि पांच कदम पर जिलाधीश सारे जिला को पॉलिथीन मुक्त और स्वच्छता का संदेश दे कर भी यह नहीं देख पाते कि अंततः हो क्या रहा है। कहने को हिमाचल में पांच नगर निगम और पचास के करीब शहरी निकाय हैं, लेकिन इनकी बाहों में फैले पॉलिथीन एक विरासत की तरह टस से मस नहीं होता। शहरों की औकात में इतना दम नहीं कि ढंग से इसका निपटारा कर सकें।

अबकी बार 400 पार के नारे से बौखलाया इंडी गठबंधन : कैलाश

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि इंडी गठबंधन पूरी तरह हताश निराश होकर अंतर्कलह से झूझ रहा है। देश के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अबकी बार 400 पार वाले नारे से घबराकर इंडी गठबंधन ने एक झूठ फैलाना शुरू कर दिया कि भाजपा सत्ता में आने के बाद संविधान को बदलकर आरक्षण खत्म करेगी। एएसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित विरोधी और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ रही है। संविधान निर्माण के समय जब बाबा साहब ने आरक्षण का प्रावधान लागू किया तो कांग्रेस ने आरक्षण का विरोध किया। वहीं आरक्षण में दस साल बाद समाप्त करने और समीक्षा करने जैसे अडंगे लगाए। 27 जून 1961 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर सरकारी भर्तियों में आरक्षण समाप्त करने की बात कही थी। मुख्यमंत्रियों द्वारा विरोध करने पर उन्हें अपनी गलती का पता चला। इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ के लीडिंग केस के माध्यम से आरक्षण को कमजोर करने का प्रयास कांग्रेस सरकार के समय किया गया था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने तीन नये संसोधन करके एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण को मजबूत करने का काम किया। एससी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि देश में पहली बार जब आम चुनाव हुए तो कांग्रेस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के खिलाफ प्रचार किया था। वहीं 1954 में महाराष्ट्र के भंडारा में हुए उपचुनाव में भी कांग्रेस के नेताओं ने बाबा साहब को हराने के लिए पूरी ताकत लगाई और उन्हें चुनाव हरा दिया। इससे आहत होकर बाबा साहब अवसाद में चले गए और 06 दिसंबर 1956 को उनका निधन हो गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीते जी कांग्रेस ने उन्हे भारत रत्न नहीं देने दिया, इसके बाद वीपी सिंह की सरकार आने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी की सिफारिश पर बाबा साहब को भारत रत्न से नवाजा गया। उन्होंने कहा कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहब की स्मृतियों से जुड़े स्थानों को महत्व नहीं दिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंच तीर्थ नाम से बाबा साहब के जन्म स्थान महू पर भव्य स्मारक निर्माण कराया, शिक्षा स्थल 10 किंग्स हेनरी रोड लंदन, नागपुर, 26 अलीपुर रोड दिल्ली पर राष्ट्रीय स्मारक और दादर मुंबई पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया है। 200 करोड़ की लागत से जनपथ दिल्ली में विशाल इंटरनेशनल एक्सीलेंस सेटर निर्माणाधीन है। इसके साथ ही 400 करोड़ की लागत से मुंबई में 7.04 हैक्टेयर जमीन पर बाबा साहब का भव्य स्मारक बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में शपथ लेते समय कहा था कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास ही मोदी की जिम्मेदारी है। विकसित भारत 2047 के लिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यही विजन है। प्रेसवार्ता के दौरान मंच पर एससी मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश चंदेल, मोर्चा के महामंत्री मुकेश गर्ग और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने प्रदेश मुख्यालय पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष उद्योग जगत की ख्यातनाम हस्ती केएल जैन को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इस दौरान संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता अबकी बार 400 पार का नारा साकार करेगी।

रामनवमी पर सूर्य की किरणों से हुआ रामलला का सूर्य तिलक

अयोध्या (हिंस)। देशभर में चैत्र रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजे रामलला का सूर्य की किरणों से सूर्य तिलक किया गया। जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह पहला सूर्य तिलक है। दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया और मस्तक पर 3 मिनट तक सूर्य की किरणें पड़ीं। इस दृश्य को वहां उपस्थित श्रद्धालु देखकर अभिभूत हुए। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से रामलला सरकार के मंगल जन्मोत्सव का सीधा प्रसारण दूरदर्शन पर हो रहा है। रामनवमी के अवसर पर बुधवार को भोर में ही रामलला सरकार का दिव्य अभिषेक किया गया। इसके बाद से ही रामलला भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। यह क्रम रात 11 बजे तक चलेगा। शयन आरती के बाद मंदिर निकास मार्ग पर प्रसाद मिलेगा। रामलला के दर्शन के लिए लाखों की संख्या में भक्त अयोध्या पहुंचे हुए हैं। इस दौरान राममंदिर में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र समेत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पहले चरण का चुनाव प्रचार आज थम जाएगा

पटना (हिंस)। लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार की चार सीट (औरंगाबाद, गया, जमुई, नवादा) पर बुधवार शाम पहले चरण का चुनाव प्रचार थम जाएगा। बिहार की 4 सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होना है। पहले चरण में मैदान में 38 उम्मीदवार हैं, जिसके भाग्य का फैसला होना है। राजनीतिक दलों ने पहले चरण की चार सीटों पर अपनी कमर कस ली है। शुक्रवार 19 अप्रैल को बिहार की दो सुरक्षित लोकसभा क्षेत्रों गया, जमुई तथा दो सामान्य संसदीय क्षेत्रों नवादा तथा औरंगाबाद में मतदान होंगे। पहले चरण की चार सीटों पर गया में पूर्व सीएम जीतनराम मांझी तथा पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत तो औरंगाबाद में वर्तमान सांसद सुशील कुमार सिंह तथा राजद के अभय कुशवाहा आमने-सामने हैं। जबकि, नवादा में भाजपा उम्मीदवार विवेक ठाकुर, राजद उम्मीदवार श्रवण कुशवाहा, निर्दलीय विनोद यादव तथा गुंजन कुमार समेत आठ प्रत्याशी मैदान में हैं। जमुई में लोजपा आर के अरुण भारती तथा राजद की अर्चना कुमारी ताल ठोंक रहे हैं। एनडीए में जहां पांच दल भाजपा, जदयू, लोजपा (आर), हम व रालोमो हैं वहीं महागठबंधन में छह दल-राजद, कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, माले तथा वीआईपी हैं। दोनों गठबंधन आपस में बेहतर समन्वय बनाकर एक-दूसरे के वोट को ट्रांसफर कराने के प्रयासों में लगे हैं। पहले चरण की वोटिंग को लेकर राजग की बूथस्तर पर समन्वय समिति बनी है। नेताओं, राज्य सरकार के मंत्रियों की सभाएं लगाई जा रही हैं। नेताओं द्वारा क्षेत्र में कैम्प किया जा रहा है। वहीं महागठबंधन के दलों ने भी निचले स्तर पर अपने प्रमुख नेताओं की सूची आपस में साझी की है, ताकि ग्रासरूट तक एक बेहतर तालमेल बन सके। जदयू मुख्यालय में राज्यभर की चुनावी तैयारी की रिपोर्ट जिलों से ली जाती है। जदयू की चुनाव अभियान समिति हर घटना-कार्यक्रम पर नजर रखी हुई है। आवश्यकतानुसार जिलों को समिति के द्वारा दिशा-निर्देश भी जारी होते हैं। दो दिनों पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्चुअल बैठक कर स्वयं ही पंचायत स्तर तक के पार्टी पदाधिकारियों को टास्क सौंपा है।

सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र के साथ हो रहा खिलवाड़ : अखिलेश

बिजनौर (हिंस)। नजीबाबाद में अखिलेश यादव ने प्रचार के आखिरी दिन जनसभा में बोलते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने जो लैपटॉप बांटे थे वह आज भी चल रहे हैं जबकि भाजपा ने जो स्मार्टफोन बांटे उन पर उंगली मारते रहिए वह चलते नहीं हैं। 400 पार के सवाल पर जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि 400 पार नहीं 400 हार है, भारतीय जनता पार्टी ने अपने दल को भ्रष्टाचारियों का गोदाम बना लिया है, जितने भ्रष्टाचारी हैं वह सब भारतीय जनता पार्टी में है। सपा सुप्रीमो ने कहा कि संस्थाओं की आड़ में इलैक्ट्रोलिक बांड के नाम पर भाजपा ने चंदा वसूली की है यह सरकार सीबीआई, ईडी, इनकमटैक्स जैसी संस्थाओं से खिलवाड़ कर रही है, यदि संस्थाएं कमजोर होगी तो लोकतंत्र कमजोर होगा। उन्होंने इन संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इनके दुरपयोग को रोकना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भी इस सरकार ने धोखा दिया है आय दोगुनी करने की बात करने के बाद भी एमएसपी नहीं दे रहे हैं। वहीं अखिलेश यादव ने पेपर लीक के मामले में भी योगी सरकार को घेरते हुए नौकरी नहीं। देने के कारण सरकार पर पेपर लीक करने के आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने एंबुलेंस योजना को उल्लेख करते हुए कहा कि वह सपा सरकार ने ही चलाई थी जो नंबर बदल कर आज भी चल रही है वहीं पुलिस 100 नंबर से चलाई गई गाडियां 112 नंबर से चलाई जा रही है।

पीएलएफआइ के एरिया कमांडर सहित दो उग्रवादी गिरफ्तार

खूंटी (हिंस)। लोकसभा चुनाव में पीएलएफआइ का फिर वर्चस्व कायम करने और रनिया थाना क्षेत्र में भय का माहौल पैदा करने की संगठन की योजना धरी की धरी रह गई जब तक पीएलएफआइ उग्रवादी किसी घटना को अंजाम देते, उसके पहले ही इस प्रतिबंधित संठन के दो उग्रवादियों को पुलिस ने दबोच लिया। गिरफ्तार उग्रवादियों में तपकारा थाना के हुसीर गांव निवासी हर्षित गुड़िया और तमाड़ थाना के माइयोडीह निवासी प्रकाश प्रमाणिक शामिले हैं। इनके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, 10 जिंदा गोलियां, नक्सली संगठन पीएलएफआइ का पर्चा और नगद 27 हजार तीस रुपये, टीवीएस अपाची बाइक, तीन मोबाइल और दो पिट्ठू बैग बरामद किए हैं। गिरफ्तार दोनों उग्रवादी हर्षित गुड़िया संगठन का एरिया कमांडर है। दोनों उग्रवाद जोनल कमांडर टीरा बोदरा उर्फ लंबू उर्फ राडूंग बोदरा दस्ते के हैं। यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली कि पीएलएफआइ के जोनल कमांडर लबूं दसते के उग्रवादी लोकसभा चुनाव के दौरान संगठन का दबदबा कायम करने और लेवी के पैसे वसूलने के लिए कोई बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना तैयार कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए एसपी द्वारा गठित छापामार टीम ने मंगलवार को रनिया थानांतर्गत जलमांदी से गजना जाने वाली पक्की सड़क पर छापामारी कर लेवी वसूलने आए पीएलएफआई के दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार उग्रवादियों ने पीएलएफआई के जोनल कमांडर टीरा बोदरा उर्फ लंबू के निर्देश पर लेवी वसूलने, संगठन का प्रचार-प्रसार करने, संगठन के लिए नेटवर्किंग का काम करने और संगठन के नाम पर क्षेत्र में दहशत फैलाने की बात स्वीकार कर ली है।

महिला एवं युवा तय करेंगे क्षेत्र की दशा एवं दिशा

समस्तीपुर (हिंस)। इस बार के लोकसभा चुनाव में जिले के दोनों लोकसभा क्षेत्र में समस्तीपुर एवं उजियारपुर में 14 लाख के करीब युवा मतदाता मतदान कर प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। युवा मतदाताओ की संख्या 14 लाख पहुंच चुकी है, इसमें पहली बार 18 से 19 वर्ष के 39800 मतदाता है जो अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे दोनों लोकसभा क्षेत्र के 35 लाख 25646 मतदाता मतदान में अपना हिस्सा लेंगे। 18 वर्ष से 39 वर्ष के मतदाता 49.83 प्रतिशत है, शेष मतदाता 40 या इससे अधिक उम्र के हैं। 80 वर्ष से ऊपर 45929 है। दोनों लोकसभा क्षेत्र में इस बार 3056 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र में 18 लाख 893 मतदाता है। वही उजियारपुर में 17 लाख 24 हजार 753 मतदाता है। समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र में कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में महिला मतदाता है 1लाख 60 हजार 181, वहीं दरभंगा जिले के हायाघाट विधानसभा में मात्र 1लाख 20 हजार 995 महिला मतदाता है। स्मरण रहे कि 2019 में मतदाताओं की पूर्ण संख्या 32

लाख 68 हजार 233 थी वही 2024 में यह संख्या बढ़कर 35 लाख 25 हजार 646 हो गई है। दिव्यांग मतदाता का 37 हजार 134 है। इसी प्रकार थर्ड जेंडर की संख्या 50 है। जिले के 1528 बूथों की वेबकास्टिंग की जाएगी। 2019 में उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र में 55.52 प्रतिशत पुरुष में मतदान किया था तो दूसरी ओर महिला मतदाताओं ने 65.6त्न मतदान किया। वही समस्तीपुर में 55.68 पुरुषों ने वहीं महिला मतदाता ने 66.13 मतदान किया था। समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र में इस बार एनडीए ने अपनी युवाओं को आकर्षित करने के लिए युवा नेता शांभवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया है, जो पिछले 10 दिनों से क्षेत्र में युवाओं और महिलाओं को लेकर जनसंपर्क अभियान कर रही है। वही महागठबंधन ने अपना प्रत्याशी अभी तक तय नहीं किया है दूसरी ओर केंद्रीय गृहराज्य मंत्री एवं भाजपा उमीदवार नित्यानंद राय के द्वारा उजियारपुर गांव में जन संवाद कार्यक्रम चल रहा हैं तो राजद प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री आलोक मेहता पार्टी के अंदर विरोध से जूझते दिख रहे हैं। जिला युवा राजद अध्यक्ष अमरेश राय बागी होकर नामांकन करने की घोषणा की है।

श्रीराम धर्म के साक्षात प्रतीक और मर्यादा के आदर्श परमपुरुष : आदित्यनाथ

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी के अवसर पर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में यज्ञ किया। इस अवसर पर आदित्यनाथ ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के आदर्श हजारों वर्षों बाद आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने त्रेतायुग में थे। श्रीराम धर्म के साक्षात प्रतीक हैं। मर्यादा के आदर्श हैं। परमात्मा स्वरूप परमपुरुष हैं। हर क्षेत्र में उनके द्वारा स्थापित आदर्श हम सभी को पारिवारिक, सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देते हैं। गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन के बाद प्रदेशवासियों को वासंतिक नवरात्र व श्रीरामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए योगी ने कहा कि वासंतिक नवरात्र में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी की तिथि तक आदिशक्ति मां भगवती के अलग-अलग स्वरूपों का अनुष्ठान आज नवदुर्गा स्वरूपा कुंवारी कन्याओं के पूजन के साथ संपन्न हुआ। नवरात्र प्रकृति और परमात्मा से जुड़ाव की अद्भुत परंपरा है। उन्होंने आदिशक्ति मां भगवती से चराचर जगत के कल्याण की कामना की। योगी ने कहा कि वासंतिक नवरात्र की महत्वपूर्ण नवमी तिथि समाज को मर्यादा के मार्ग पर ले जाने वाले व मानवीय जीवन मूल्यों का उच्च आदर्श प्रस्तुत करने वाले प्रभु श्रीराम के जन्मदिन की भी तिथि होती है। हजारों वर्षों पूर्व अयोध्या के महाराजा दशरथ के पुत्र के रूप में सृष्टि के पालक भगवान विष्णु ने धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना के लिए अवतार लिया था। आज भगवान राम का जन्मोत्सव देश दुनिया में सनातन धर्मावलंबियों द्वारा हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में इस बार रामनवमी बेहद उमंग और आस्था के साथ मनाई जा रही है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं और इसका अलग ही उल्लास आज वहां के रामजन्मोत्सव में देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के आदर्शों का अनुसरण कर हम सभी समाज और देश के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन करें, यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक होगा। कन्या पूजन अनुष्ठान और श्रीरामजन्मोत्सव मनाने के पहले सुबह आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में विधि विधान से मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की आराधना की। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने वासंतिक नवरात्र की नवमी तिथि का हवन अनुष्ठान किया। मुख्यमंत्री ने खुद मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ किया और लोकमंगल की कामना की। उन्होंने रामनवमी पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

जमीन घोटाला केस में झामुमो नेता अंतू तिर्की समेत चार गिरफ्तार

रांची (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के बहुचर्चित जमीन घोटाला केस में आज (बुधवार) झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता अंतु तिर्की, प्रियरंजन सहाय, रियल एस्टेट कारोबारी विपिन सिंह एवं इरशाद को गिरफ्तार किया है। इनके ठिकानों पर मंगलवार सुबह छापा मारा गया था। इन सभी को देरात रांची स्थित ईडी कार्यालय लाया गया। पूछताछ की गई। इसके बाद इनको गिरफ्तार किया गया। ईडी ने अंतू तिर्की के बरियातू मेडिकल चौक स्थित आवास, विपिन सिंह के मोरहाबादी स्थित आवास, खेलगांव स्थित शेखर कुशवाहा के ठिकानों के साथ कोकर में प्रियरंजन सहाय और कपड़ा कारोबारी इरशाद के ठिकाने पर छापा मारा था। इस केस में निदेशालय झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जनवरी में गिरफ्तार कर चुका है। हेमंत फिलहाल राजधानी रांची के होटवार में स्थित बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं। ईडी ने इसके बाद भानु प्रताप प्रसाद और मोहम्मद सद्दाम हुसैन को गिरफ्तार किया। ईडी अफसर सोरेन के खिलाफ रांची में 8.86 एकड़ जमीन हासिल करने से जुड़े मामले की जांच कर रहे हैं।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

पूर्वी चंपारण (हिंस)। पटना में मेट्रो निमार्ण कार्य में लगी क्रेन और टेम्पू की सीधी टक्कर में जिले के चिरैया थाना क्षेत्र के सेमरा लक्ष्मीपुर गांव के एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जिसकी सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है। बताया गया कि इस घटना में पिता मुकेश सहनी गंभीर रूप से घायल हो गए है। जिनका इलाज चल रहा है, जबकि मुकेश की पत्नी पिंकी देवी (28), पुत्र अभिनंदन कुमार(4) और पुत्री राधिका उर्फ रानी(2) की मौत हो गई। घायल मुकेश सहनी पटना में सपरिवार रहकर सड़क किनारे ठेला लगा कर गन्ने का जूस बेचने का काम करते है। घटना के समय वह परिवार के साथ बस स्टैण्ड जाने के लिए टेम्पो में सवार होकर जा रहे थे, ज्योही ऑटो मीठापुर से जीरोमाइल की ओर घुमा इसी बीच रामलखन पथ के पास मेट्रो रेल के निर्माण कार्य में लगे एक क्रेन जो पिलर को उठाकर दूसरी लेकर जा रहा था, उससे ऑटो की सीधी टक्कर हो गयी। बताया गया कि हादसे के वक्त ऑटो में 8 लोग सवार थे। हादसे में चार लोगों की तो मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वही मुकेश को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणो के अनुसार घायल मुकेश सहनी सपरिवार पट्टीदारी में 18 अप्रैल को आयोजित शादी समारोह में भाग लेने के लिए घर आ रहा था। घटना की खबर मिलते ही परिजन पटना रवाना हो चुके है। जबकि मुकेश के माता-पिता व परिवार के अन्य सदस्यो का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ है।

भाजपा प्रत्याशी सीपी जोशी ने रामनवमी पर कन्या पूजन कर लिया आशीर्वाद

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सीपी जोशी ने बुधवार को रामनवमी के अवसर पर चित्तौड़गढ़ स्थित अपने निवास पर कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन करवाया और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा नवरात्र देवी उपासना का पर्व है, बिना कन्या पूजन के यह अधूरा है। आज देवी स्वरूप कन्याओं को भोजन करवाने का सौभाग्य मिला और आशीर्वाद प्राप्त हुआ। जोशी ने पूजन के बाद

चित्तौड़गढ़ विधानसभा में जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भाजपा सभी धर्मों का सम्मान करते हुए सनातन धर्म की रक्षा कर रही है। यही कारण है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में सभी प्रदेशवासी हर्ष-उल्लास और सद्भाव के साथ रामनवमी का त्योहार मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण में अंधी कांग्रेस की गहलोत सरकार ने प्रदेश में हिंदू त्योहारों को सार्वजनिक मनाने, डीजे बजाने और भगवा झंडों पर रोक लगाने का काम किया था, वहीं पीएफआई जैसे प्रतिबंधित संगठन को रैली निकालने की इजाजत दी थी। जोशी ने सभी को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता के वोट से मिली ताकत से 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आज ऐसा अवसर आया है जब प्रभू श्रीरामलला जन्मदिन पर टेंट में नहीं बल्कि दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान है, जनता धूमधाम से उनका जन्मदिन मना रही है।

पश्चिम उप्र में इंडी गठबंधन को बड़ा झटका, कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री डॉ. धर्म सिंह सैनी भाजपा में शामिल

सहारनपुर (हिंस)। सहारनपुर से सैनी समाज के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री डॉ. धर्म सिंह सैनी अपने समर्थकों के साथ भाजपा मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया की मौजूदगी में मंगलवार देर रात भाजपा में शामिल हो गए। इसी के साथ एक तरफ जहां सैनी की बीजेपी में घर वापसी हुई, वहीं दूसरी तरफ इंडी गठबन्धन को बहुत इससे बड़ा झटका माना जा रहा है। धर्म सिंह सैनी लम्बे समय से भारतीय जनता पार्टी में एंट्री का रास्ता तलाश रहे थे। उनके आने से सहारनपुर व कैराना लोकसभा सीट पर भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत हुई है क्योंकि पश्चिम में सैनी समाज धर्म सिंह को ही अपना नेता मानता है और दोनों ही सीटों पर सैनी समाज का अच्छा खासा वोट है। ऐसे में अब विरोध के सारे सुर समाप्त हो जाएंगे और पूरा सैनी समाज एक जुट होकर चुनाव में भाजपा को वोट कर सकता है। उल्लेखनीय है कि धर्म सिंह सैनी 2007 से 2012 तक बसपा सरकार और 2017 से 2022 तक बीजेपी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं।

श्रीरामनवमी पर शोभायात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत श्रीरामनवमी पर भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए और नई सड़क घंटाघर के बाहर धर्मपत्नी नोनद कंवर के साथ राम दरबार के दर्शन कर पूजा अर्चना की। शेखावत ने कहा कि भगवान श्रीराम के अयोध्या में विराजने के बाद प्रथम बार रामनवमी को लेकर जबरदस्त जोश और उत्साह है। शेखावत ने सभी को श्रीरामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं। श्रीरामनवमी महोत्सव समिति ने भव्य झांकियां निकालीं। समिति के अध्यक्ष संदीप काबरा के सनिध्य आयोजित समारोह में अनेक वरिष्ठजन, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे। शेखावत नागेश्वर नगर में महादेव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिक उत्सव पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में भी शामिल हुए।

रामनवमी पर विश्व हिंदू परिषद ने निकाली यात्रा

मेरठ(हिंस)। भगवान श्रीराम जन्मोत्सव पर बुधवार को मेरठ में विश्व हिंदू परिषद मेरठ महानगर ने भव्य शोभायात्रा निकाली। शोभा यात्रा पर जगह-जगह पुष्पवर्षा हुई और लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। मेरठ कैंट में श्री बालाजी मंदिर से विश्व हिंदू परिषद के शोभायात्रा को विहिप के क्षेत्रीय धर्म प्रसार प्रमुख यशपाल ने भगवा पताका दिखाकर रवाना किया। महाआरती के बाद शोभायात्रा नगर भ्रमण पर निकली। अनेक स्थानों पर शोभायात्रा का पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया। यह शोभायात्रा श्री बालाजी मंदिर से चलकर दीवान पब्लिक स्कूल, सदर बाजार, आबूलेन, बेगमपुल, भैंसाली बस अड्डा, भारत माता मंदिर, सदर बाजार थाने से होती हुई श्री बालाजी मंदिर पर वापस पहुंची। मुख्य वक्ता विहिप के क्षेत्रीय धर्म प्रसार प्रमुख यशपाल ने कहा कि यह भव्य राम यात्रा भगवान श्रीराम के आदर्शों को समाज के समक्ष रखने के लिए निकाली गई है। विहिप समाज के समक्ष भगवान श्रीराम के उस चरित्र को रखना चाहता है, जिस चरित्र के बल पर राजा राम मर्यादा पुरुषोत्तम राम बने। जिस प्रकार अपनी वनयात्रा में श्रीराम ने समाज

के अंतिम पायदान पर खड़े वनवासी, गिरवासी एवं शोषित लोगों के बल पर रावण जैसे राक्षसों को बलहीन किया था, आज उसी प्रकार विहिप इस यात्रा में समस्त हिंदू समाज को साथ लेकर जातिवाद, भेदभाव एवं ऊंच-नीच जैसी राक्षसी विचारधारा का अंत करेगा। उन्होंने कहा कि समस्त हिंदू समाज के प्रयासों से भारत में पुनः रामराज्य आएगा, जिसके बाद एक नया गौरवशाली, शक्तिशाली, समृद्ध भारत पुनः विश्व का अगुवा बनेगा। संचालन महानगर सह मंत्री मनोज त्यागी ने किया। इस अवसर पर निमेश वशिष्ठ, सुनील सिद्धू, अमित जिंदल, अवनीत बंसल, अनूप, तेजपाल, राजीव गर्ग, अमित जैन, मधुवन आर्य, पवन कश्यप, बंटी, दिलीप आर्य, आकाश प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

वित्त वर्ष 2024 में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड एसेट में 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।
खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उछाल और बाजार में तेजी की स्थिति ने मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड कैटेगरी की संपत्ति को 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है, जो 83 प्रतिशत प्रतिशत का बढ़ोतरी को जाहिर करता है। ऐसेट में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में वृद्धि से पूरक किया गया, मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई, जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी, जिससे 81 लाख का निवेशक आधार जुड़ गया। इससे स्मॉल-कैप फंडों के प्रति निवेशकों के रुझान का पता चलता है।

स्मॉल-कैप फंड्स में वृद्धि - गोपाल कवलिरेड्डी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का विकास प्रक्षेपवक्र बढ़ती रुचि को आकर्षित कर रहा है, जिससे कई गैर-सूचीबद्ध स्मॉल-कैप कंपनियां पूंजी बाजार से समर्थन मांग रही हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर नजर रखने वाले निवेशकों के लिए आशाजनक अवसर प्रदान करती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आम चुनाव, मानसून पूर्वानुमान, आर्थिक गतिविधि, मुद्रास्फीति, जीडीपी अनुमान और वित्त वर्ष 2025 की आय वृद्धि जैसे कारक स्मॉल-कैप कंपनी के मूल्यांकन को प्रभावित कर सकते हैं और इस सेगमेंट में अस्थिरता पैदा कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, स्मॉल-कैप फंडों में 40,188 करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया, जो पिछले वित्त वर्ष में देखे गए 22,103 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। हालांकि, मार्च के महीने में स्मॉल-कैप फंडों में दो साल में पहली बार 94 करोड़ रुपये का शुद्ध बहिर्वाह देखा गया।

एएमएफआई ने पेश किए आंकड़े - फरवरी के अंत में बाजार नियामक सेबी ने स्मॉल और मिड-कैप फंडों में बढ़ते झाग पर चिंता जताई थी और म्यूचुअल फंड हाउसों को इन फंडों में निवेश करने वाले निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया था, जिसके बाद ऐसा हुआ। पिछली कुछ तिमाहियों में म्यूचुअल फंड की छोटी और मिड-कैप योजनाओं में भारी प्रवाह की पृष्ठभूमि में यह चिंता सामने आई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) मार्च 2023 के अंत में 1.33 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 2.43 लाख करोड़ रुपये के शिखर पर पहुंच गई। 2022 में कवलिरेड्डी ने संपत्ति में भारी उछाल के लिए आकर्षक रिटर्न, सकारात्मक निवेशकों की भावना, पोर्टफोलियो विविधीकरण और खुदरा भागीदारी में वृद्धि जैसे कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया। फिनवाइजर के संस्थापक और सीईओ जय शाह ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में स्मॉलकैप इंडेक्स में 60 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो एयूएम में वृद्धि का बड़ा हिस्सा है।

न्यूज ब्रीफ

ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य से जुड़े कथित अवैध भूमि हड़पने से जुड़े धनशोधन मामले में चार नई गिरफ्तारियां की हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है उनकी पहचान अंतू तिर्की, प्रिय रंजन सहाय, बिपिन सिंह और इरशाद के रूप में की गई है। ईडी ने तिर्की और कुछ अन्य के परिसरों की तलाशी ली थी। इन गिरफ्तारियों के साथ, इस मामले में हिरासत में लिए गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर आठ हो गई है। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन (48) को जनवरी में ईडी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा जेल में हैं। मुख्य आरोपी और राजस्व विभाग के पूर्व उपनिरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, मोहम्मद सद्दाम हुसैन और अफशर अली को भी गिरफ्तार किया गया है। सोरेन के खिलाफ जांच रांची में 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ी है। ईडी का आरोप है कि इसे अवैध रूप से कब्जे में लिया गया था। एजेंसी ने सोरेन, प्रसाद और सोरेन के कथित फ्रंटमैन राज कुमार पाहन और हिलारियास कच्छप तथा पूर्व मुख्यमंत्री के कथित सहयोगी बिनोद सिंह के खिलाफ 30 मार्च को यहां विशेष पीएमएलए अदालत में आरोपपत्र दायर किया था। सोरेन ने मंगलवार को रांची की एक विशेष अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने यह आरोप लगाया कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी। ईडी ने रांची में स्थित जमीन भी कुर्क की है और अदालत से भूखंड जब्त करने का अनुरोध किया है। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच झारखंड पुलिस की ओर से राज्य सरकार के अधिकारियों सहित कई लोगों के खिलाफ भूमि घोटाले के मामलों में दर्ज कई एफआईआर से संबंधित है। मामले में मुख्य आरोपी प्रसाद है, जो सरकारी रिकॉर्ड का संरक्षक था। ईडी ने एक बयान में कहा था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने सोरेन समेत कई लोगों को भू-संपत्तियों के रूप में अवैध कब्जे, अधिग्रहण और अपराध से प्राप्त धन रखने से जुड़ी गतिविधियों में सहायता करके अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया।

भारत में काम करने के लिए टीसीएस सबसे अच्छा वर्कप्लेसः लिंक्डइन ने 2024 की बेस्ट कंपनियों की लिस्ट जारी की

नई दिल्ली। प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन ने भारत की 25 बेस्ट वर्कप्लेस वाली कंपनियों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज इस साल भी टॉप पर बनी हुई है। पिछले साल भी भारत में काम करने की सबसे अच्छी कंपनियों की लिस्ट में टीसीएस टॉप पर थी। वहीं, टॉप 25 कंपनियों की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर एक्सेंचर, तीसरे नंबर पर कॉग्निजेंट, चौथे नंबर पर मैक्वेरी ग्रुप और पांचवे नंबर मॉर्गन स्टेनली है। लिंक्डइन ने कहा कि यह हमारी टॉप 25 कंपनियों की 8वीं एनुअल लिस्ट है, जो भारत में आपके करियर को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल स्तर पर 5,000 से ज्यादा एम्प्लॉइज वाले वर्कप्लेस के बारे में बताती है। इस साल लिंक्डइन की लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज नहीं मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को लिंक्डइन ने इस साल टॉप 25 बेस्ट वर्कप्लेस कंपनियों की लिस्ट में शामिल नहीं किया है। जबकि, पिछले साल रिलायंस इंडस्ट्रीज टॉप 4 में शामिल थी। टॉप 5 कंपनियों में 3 आईटी और 2 फाइनेंस कंपनी लिंक्डइन की टॉप 25 बेस्ट वर्कप्लेस कंपनियों की लिस्ट में टॉप 3 कंपनियां आईटी सेक्टर से जुड़ी हुई हैं। जबकि, तीसरी और चौथी कंपनी फाइनेंस सेक्टर से जुड़ी हुई है। टॉप 15 बेस्ट वर्कप्लेस मिडसाइज कंपनियों की भी लिस्ट जारी लिंक्डइन ने इस साल टॉप 15 बेस्ट वर्कप्लेस मिडसाइज साइज कंपनियों की भी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में भारत में कम से कम 250 एम्प्लॉइज और ग्लोबल स्तर पर कम से कम 5,000 एम्प्लॉइज वाली कंपनियों को शामिल किया है। लिंक्डइन ने इस लिस्ट पर पहले नंबर पर पुणे बेस्ड कंपनी लेंट्रा का रखा है। वहीं, दूसरे नंबर पर मेक माय ट्रिप, तीसरे पर रेडिंगटन लिमिटेड, चौथे पर इन्फो एज और पांचवे पर डिजिट इंश्योरेंस है।

2024 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रह सकती है, यूएनसीटीएडी ने अपनी रिपोर्ट में किया दावा

नई दिल्ली।
यूएनसीटीएडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2024 में भी भारत में विकास दर में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में चीन की ओर इशारा करते हुए कहा गया है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी आपूर्ति शृंखला में विविधता लाने के लिए विनिर्माण के लिए में भारत पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ने जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत ने 2023 में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि की और 2024 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, 2023 में हुई वृद्धि मजबूत सार्वजनिक पूंजीगत निवेश ओर सेवा क्षेत्र की वृद्धि से प्रेरित रही। इस दौरान घरेलू बाजार में उपभोक्ता सेवाओं की मजबूत घरेलू मांग और व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात के लिए दृढ़ बाहरी मांग से लाभ मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कारकों से 2024 में भी भारत में विकास को समर्थन जारी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में चीन की ओर इशारा करते हुए कहा गया है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी आपूर्ति शृंखला में विविधता लाने के लिए विनिर्माण के लिए में भारत पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने और भारत में अपनी विनिर्माण प्रक्रियाओं के विस्तार में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती प्रवृत्ति से देश के निर्यात पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जबकि कमोडिटी की कीमतों में नरमी देश के आयात बिल के लिए फायदेमंद होगी। पिछले हफ्ते, विश्व निकाय में लॉन्च की गई फ्लैगशिप 2024 फाइनेंसिंग फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट रिपोर्ट: फाइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट एट ए क्रॉसरोड्स ने कहा कि दक्षिण एशिया, खासकर भारत में निवेश मजबूत बना हुआ है इसमें कहा गया है कि भारत को बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती दिलचस्पी से फायदा हो रहा है, जो विकसित अर्थव्यवस्थाओं की आपूर्ति शृंखला विविधीकरण रणनीतियों तहत देश (भारत) को वैकल्पिक विनिर्माण आधार के रूप में देखते हैं।

आरबीआई की ओर से ब्याज दरों को स्थिर बनाए रखने की उम्मीद - यूएनसीटीएडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से निकट भविष्य में ब्याज दरों को स्थिर बनाए रखने की उम्मीद है, जबकि सार्वजनिक उपभोग पर रोक लगाने वाले खर्च की भरपाई मजबूत सार्वजनिक निवेश मद में खर्च से हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि, अन्य दक्षिणी एशियाई देशों में, आर्थिक विकास अधिक मंद बना हुआ है। इस क्षेत्र के तीन देश बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका वर्तमान में आईएमएफ से मदद ले रहे हैं, जिनकी शर्तों में सख्त मौद्रिक नीतियों और राजकोषीय मितव्ययिता उपायों को लागू करना है। जिसका प्रभाव कम आय वाले परिवार गंभीर रूप से महसूस कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर विकास दर 2024 में 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2023 के 2.7 प्रतिशत की तुलना में थोड़ा धीमा है।

लगातार तीसरे वर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी के पहले की तुलना में सुस्त - रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 लगातार तीसरा वर्ष होगा जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी से पहले की तुलना में धीमी गति से बढ़ेगी। इससे पहले 2015 से 2019 के दौरान वैश्विक वृद्धि की औसत दर 3.2 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में वैश्विक आर्थिक विकास को धीमा करने के लिए जिन जोखिमों ने काफी हद तक खतरा पैदा किया था, वे पूरी तरह से अमल में नहीं आए। रिपोर्ट में कहा गया है, चीन, भारत, इंडोनेशिया, रूस, अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं समेत कुछ अर्थव्यवस्थाएं इस साल की शुरुआत में आई वित्तीय संकट से बच गईं। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2.7 प्रतिशत रही, जो वैश्विक मंदी की सीमा 2.5 प्रतिशत की सीमा से महज 0.2 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की अर्थव्यवस्था 2024 में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो बाहरी अनिश्चितताओं, एक समस्याग्रस्त आवास बाजार, एक कम प्रदर्शन करने वाले श्रम बाजार और कम खपत जैसी कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य के अपने नवीनतम संस्करण में कहा कि भारत में वृद्धि दर 2024 में 6.8 प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत पर मजबूत बने रहने का अनुमान है। यह वृद्धि दर घरेलू मांग में निरंतर मजबूती और बढ़ती कामकाजी उम्र की आबादी के प्रभाव को दर्शाती है।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन का दावा- 5 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी जीडीपी बदल रहा है भारत का नौकरी बाजार

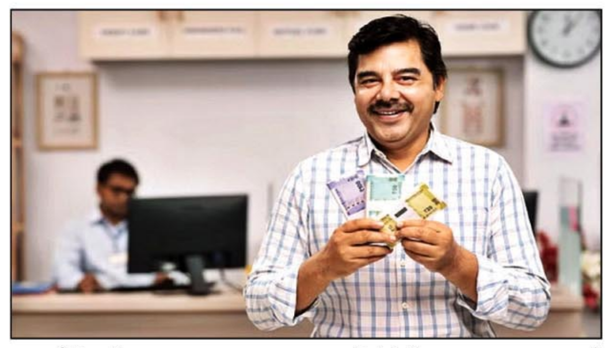

नई दिल्ली।
अर्थव्यवस्था की तेजी से 2028 तक देश में बेरोजगारी दर 0.97 फीसदी घटकर 3.68 फीसदी पहुंच सकती है। इस दौरान जीडीपी बढ़कर 5 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगी। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन यानी ओआरएफ की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल बेरोजगारी की दर 4.47 फीसदी रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत के नौकरी बाजार में बदलाव आ रहा है, क्योंकि देश कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। देश की युवा आबादी, जिसकी औसत आयु 28.4 वर्ष है, आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देने में प्रमुख योगदान रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ, भारत संभावित रूप से 2026-27 तक 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। यह वृद्धि मजबूत निजी खपत और सार्वजनिक निवेश के जरिये होगी। रिपोर्ट उन क्षेत्रों की पहचान करती है जिन्हें देश की 18-35 वर्ष की आयु की 60 करोड़ से अधिक आबादी आकांक्षी मानती है, क्योंकि ये क्षेत्र आने वाले वर्षों में विकास के इंजन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि जैसे-जैसे भारत 5 लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य के करीब पहुंचेगा, कुल रोजगार में 22 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। सेवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण रोजगार पैदा होने वाला है। प्रत्येक इकाई की वृद्धि से रोजगार में 0.12 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।

प्रयासों के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र में घट रहीं नौकरियां

भारत के विनिर्माण क्षेत्र के अनुमान कम आशावादी हैं। भारत से अमेरिका के बढ़ते आयात, भारत की प्रतिस्पर्धी लागत संरचनाओं और श्रम संसाधनों और मेक इन इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से विनिर्माण के लिए सरकार के दबाव के बावजूद, इस क्षेत्र में रोजगार में गिरावट आई है।

ऑटोमेशन से रोजगार पर संदेह

तकनीकी प्रगति और बढ़े हुए ऑटोमेशन से देश की बढ़ती कार्यबल को समाहित करने की क्षमता पर संदेह बना हुआ है। सेवा क्षेत्र से जुड़ी औद्योगिक मूल्य श्रृंखलाओं की ओर परिवर्तन से रोजगार को फिर से जीवंत करने में मदद मिल सकती है।

एप्पल का लक्ष्य है चीन पर निर्भरता कम करने के लिए भारत में आईफोन कैमरा मॉड्यूल को असेंबल करना

नई दिल्ली।
एप्पल चीन पर अपनी निर्भरता जैसे-जैसे कम कर रहा है, आईफोन निर्माता भारत में निवेश बढ़ा रहा है और कथित तौर पर फोन कैमरा मॉड्यूल के लिए उप-घटकों (सब-कंपोनेंट्स) को इकट्ठा करने के लिए टाटा समूह की टाइटन कंपनी और मुरुगप्पा समूह के साथ बातचीत कर रहा है। इसका मकसद है मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देना और देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक अभिन्न अंग बनना।

रिपोर्टों के अनुसार, आईफोन के कैमरा मॉड्यूल के लिए इस समय कोई भारतीय आपूर्तिकर्ता नहीं है, जो प्रौद्योगिकी का एक परिष्कृत हिस्सा हो और इस कदम से चीनी आपूर्तिकर्ताओं पर एप्पल की निर्भरता कम हो सकती हो।

मुरुगप्पा और टाटा के टाइटन दोनों के पास उच्च परिशुद्धता विनिर्माण में एक ठोस पृष्ठभूमि है।

टाइटन और मुरुगप्पा दोनों पहले ही देश में चिप असेंबली इकाई स्थापित करने के लिए

पीएलआई योजना के तहत सरकारी प्रोत्साहन के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं।

टाटा या मुरुगप्पा समूह ने रिपोर्टों पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की।

टाटा समूह ने पिछले साल ताइवानी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता विस्ट्रॉन के भारत परिचालन का 125 मिलियन डॉलर में अधिग्रहण किया था। कथित तौर पर यह चेन्नई के पास पेगाट्रॉन की आईफोन विनिर्माण सुविधा का अधिग्रहण करने पर भी नजर गड़ाए हुए है। पिछले साल के अंत में रिपोर्टें सामने आई कि टाटा समूह तमिलनाडु के होसुर में भारत के सबसे बड़े आईफोन असेंबली प्लांट में से एक बनाने की योजना बना रहा है।

2023-24 में दालों का आयात दोगुना हुआ, देश में उत्पादन घटने से चालू वित्त वर्ष में भी हो सकता है इजाफा

नई दिल्ली।
सरकार की ओर से किसानों को प्रोत्साहन देने के कई उपायों बावजूद आयातित दालों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। हमें अब भी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में दलहन उत्पादों का आयात करना पड़ रहा है। अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में दालों का आयात लगभग दोगुना हो गया और 3.74 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि आधिकारिक आंकड़े अब भी आने बाकी हैं लेकिन शिपमेंट्स से पता चलता है कि करीब 45 लाख टन दाल का आयात किया गया। इससे पिछले साल यह आंकड़ा 24.5 लाख टन का था।

सरकार से जुड़े सूत्रों ने एएनआई को बताया कि घरेलू बाजार में दलहन के मांग की पूर्ति और कीमतों को

स्थिर रखने के लिए केंद्र ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ दीर्घकालिक समझौते पर बातचीत कर रहा है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात होना है जबकि अर्जेंटीना से अरहर के आयात के लिए बातचीत लगभग अंतिम पड़ाव पर है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी संपर्क किया है। हाल के दिनों में दालों के आयात में वृद्धि से घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे कीमतें स्थिर सकतीं हैं।

इससे पहले सरकार ने पीले मटर के आयात को जून तक ड्यूटी फ्री कर दिया है। वहीं, अरहर और उड़द का आयात 31 मार्च 2025 तक कर मुक्त कर दिया गया है। देश में आम चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है ऐसे में सरकार के लिए दालों की कीमतें ना बढ़ें यह बड़ी चिंता का विषय है। कीमतों पर नियंतण के लिए दालों के स्टॉक के लिए लिमिट तय कर दी है। सरकार ने राज्यों से भी कहा है कि वे भी जमाखोरी रोकने के लिए सतर्क रहें। सरकार की चिंता कारण यह है कि किसानों को प्रोत्साहन देने के कई कदम उठाने के बावजूद पिछले दो से तीन वर्षों में दलहन का उत्पादन घटा है। कृषि मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार इस साल दलहन का उत्पादन 234 लाख टन रह सकता है। पिछले साल 261 लाख टन दलहन का उत्पादन हुआ था।

चिप निर्माण के लिए अरबों डॉलर की सब्सिडी देना सही नहीं, पूर्व आरबीआई गवर्नर ने की आलोचना

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने चिप निर्माण पर भारत की ओर से अरबों डॉलर खर्च करने की आलोचना की है। राजन ने कहा है कि इन चिप विनिर्माण कारखानों को सब्सिडी देने के लिए कई अरब खर्च किए जाने हैं जबकि दूसरी ओर कई रोजगार देने वाले क्षेत्र अच्छा नहीं कर रहे हैं और उन पर किसी का ध्यान नहीं है।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने मंगलवार को कहा कि भारत लोकतंत्र से मिलने वाले लाभ नहीं उठा पा रहा है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन भारत को 2047 तक उन्नत अर्थव्यवस्था बनाना: इसके लिए क्या चाहिए में राजन ने कहा, मुझे लगता है कि यह लोकतंत्र से लाभ उठाने का समय है, लेकिन समस्या यह है कि हम लाभ नहीं उठा रहे हैं।

राजन बोले- हम जनसंख्या से लाभ के मामले में चीन और कोरिया से काफी पीछे

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने कहा, इसलिए मैंने छह प्रतिशत वृद्धि की बात कही थी। अगर आपको पता करना है कि हम अभी क्या हैं, तो जीडीपी के आंकड़ों में उछाल को दूर करें। हम 6 प्रतिशत जनसांख्यिकीय लाभांश के बीच में है। यह चीन और कोरिया के जनसंख्या के लाभ से काफी कम है। जब हम कहते हैं कि यह बहुत अच्छा है तो हम अत्यधिक उलझ रहे हैं। ऐसा इसलिए नहीं है कि हम जनसांख्यिकीय लाभांश खो रहे हैं बल्कि ऐसा इसलिए है क्योंकि हम लोगों को नौकरी नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, और यह हमें इस सवाल की ओर ले जाता है कि हम उन नौकरियों का निर्माण कैसे करते हैं राजन ने कहा कि हमें आंशिक रूप से हमारे पास मौजूद लोगों की क्षमताओं बढ़ाने की जरूरत है, आंशिक रूप से उपलब्ध नौकरियों की प्रकृति को बदलना जरूरी है। हमें दोनों मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र में अप्रेंटिसशिप का का विचार काम के लायक है। मुझे लगता है कि इसे प्रभावी बनाने के लिए बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है, लेकिन हमें कई और ऐसे छात्रों की जरूरत है ताकि वे कम से कम अच्छा काम करने में सक्षम हों।

राजन ने चिप निर्माण पर भारत की ओर से अरबों डॉलर खर्च करने की आलोचना की। राजन ने कहा, इन चिप कारखानों के बारे में सोचो। चिप विनिर्माण को सब्सिडी देने के लिए कई अरब जा रहे हैं। राजन ने कहा कि दूसरी ओर चमड़ा जैसे कई रोजगार देने वाले गहन क्षेत्र अच्छा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम कई क्षेत्रों में नीचे जा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे पास नौकरी की समस्या अधिक है। ऐसा नहीं है कि पिछले 10 वर्षों में नौकरी की समस्या पैदा हुई। यह पिछले कुछ दशकों से बढ़ रहा है।

रोजगार देने वाले गहन क्षेत्रों की उपेक्षा करना सही नहीं: राजन

राजन ने कहा कि लेकिन अगर आप उन क्षेत्रों की उपेक्षा करते हैं जो अधिक गहन हैं, तो यह सही नहीं है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हमें अब चमड़ा उद्योग के लिए सब्सिडी की पेशकश करने की आवश्यकता है, लेकिन हमें यह पता लगाना चाहिए कि वहां क्या गलत हो रहा है और हमें कोशिश करनी चाहिए कि इसमें सुधार हो।

एक सवाल के जवाब में राजन ने कहा कि बड़ी संख्या में भारतीय अब सिंगापुर या सिलिकॉन वैली जा रहे हैं क्योंकि उन्हें वहां से बाजारों तक पहुंच बनाना आसान लगता है। उन्होंने कहा, हमें यह पूछने की जरूरत है कि ऐसा क्या है जो उन्हें भारत के अंदर रहने के बजाय भारत से बाहर जाने के लिए मजबूर करता है

विराट कोहली वाली मानसिकता पर क्या बोले राजन

पूर्व आरबीआई गवर्नर ने विराट कोहली वाली मानसिकता के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की मानसिकता विरोट कोहली जैसी है, मतलब वे किसी से कम नहीं हैं। वे लोग दुनिया को बदलना चाहते हैं। वे वैश्विक स्तर पर अपना विस्तार करना चाहते हैं। राजन ने कहा कि वास्तव में दिल को छू लेने वाली बात यह है कि कुछ उद्यमियों से बात करने पर पता चलता है कि वे दुनिया को बदलने की उनकी इच्छा रखते हैं पर उनमें से कई देश में रहकर खुश नहीं हैं। वे वास्तव में विश्व स्तर पर अधिक विस्तार करना चाहते हैं पर उन्हें मौके नहीं मिल रहे।

पीएचडी रेलवे में चपरासी के पद के लिए कर रहे आवेदन, राजन ने कसा तंज

राजन ने कहा कि क्षेत्र चाहे कोई भी हो चाहे वह सेवा, विनिर्माण या कृषि निर्माण हो भारत में समस्या है। इस बारे में सबाके पता है और मुझे विस्तार से बताने की आवश्यकता नहीं है। बेरोजगारी की संख्या अधिक है। श्रम शक्ति की भागीदारी कम है, महिला श्रम शक्ति की भागीदारी वास्तव में खतरनाक रूप से कम है। उन्होंने कहा कि हालांकि हाल के दिनों में कृषि और नौकरियों की हिस्सेदारी बढ़ रही है। बेरोजगारी का असर उच्च शिक्षित लोगों के सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की संख्या देखने से पता पता है। पीएचडी रेलवे में चपरासी के पद पर नौकरी के लिए आवेदन कर रहे हैं।

सुरक्षा कारणों से ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में बदलाव संभव, पहली बार पर्पल रंग का एथलेटिक ट्रैक

पेरिस ।
फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक के होने वाले उद्घाटन समारोह को सुरक्षा कारणों के चलते प्रस्तावित सीन नदी की जगह स्टेडियम में स्थानांतरित भी किया जा सकता है। पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक ओलंपिक और पैरालंपिक का आयोजन किया जाना है। फ्रांस को हाई अलर्ट पर रखा गया है क्योंकि इन आयोजनों के दौरान दुनिया भर से लोग पेरिस आएंगे। मूल कार्यक्रम के अनुसार सीन नदी के 6 किलोमीटर के रूट पर खुले आसमान के नीचे नावों पर 10,500 एथलीटों की परेड निकलेगी।

ऐसा पहली बार हो रहा है कि ओलंपिक का उद्घाटन समारोह स्टेडियम के बाहर आयोजित किया जा रहा है। लगभग तीन लाख दर्शक नदी के किनारों से समारोह का अवलोकन कर सकेंगे।

मैक्रों ने कहा कि अगर हमें लगता है कि जोखिम होगा जो हमारे सुरक्षा विश्लेषकों के आकलन पर निर्भर करेगा तो हमारे पास बी और सी योजना भी है।

पेरिस ओलंपिक में पहली बार पर्पल रंग का एथलेटिक ट्रैक

आगामी पेरिस ओलंपिक में एथलीटों को पर्पल रंग के ट्रैक पर रिकॉर्ड बनाने का मौका मिलेगा। ऐसा पहली बार हो रहा है कि जब ओलंपिक में ट्रैक परंपरागत लाल की जगह पर्पल रंग का होगा। रबड़ ट्रैक उत्तरी इटली की फैक्टरी में तैयार किया गया है जिसे स्टेड डी फ्रांस राष्ट्रीय स्टेडियम में लगाया जाएगा जहां ट्रैक एंड फील्ड की स्पर्धाएं होंगी।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा जोखिम को कम करने के मद्देनजर एथलीटों की परेड के कार्यक्रम को छोटा किया जा सकता है अथवा यह भी हो सकता है हम उद् घाटन समारोह को परंपरागत रूप से स्टेडियम में ही कराएं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी कार्यक्रम पूर्ववत है। विश्व में ऐसा पहली बार हो रहा है और हम ऐसा करेंगे।

रबड़ के एक हजार से ज्यादा टुकड़ों को जोड़कर लगभग एक महीने में ट्रैक तैयार किया जाएगा और काफी मात्रा में ग्लू की जरूरत पड़ेगी। पिछले टोक्यो ओलंपिक में लाल ट्रैक पर तीन विश्व रिकॉर्ड और 12 ओलंपिक रिकॉर्ड बने थे। मांट्रियल में 1976 से लेकर अब तक मोंडो कंपनी ही हर ओलंपिक में ट्रैक तैयार करती है।

न्यूज ब्रीफ

पैरा तीरंदाज शीतल का शानदार प्रदर्शन, खेलो इंडिया राष्ट्रीय मीट में सक्षम खिलाड़ियों के बीच जीता रजत

नई दिल्ली। एशियाई पैरा खेलों की स्वर्ण विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता। वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं। इस साल की शुरुआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है। शीतल का मानना है कि खेलो इंडिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की प्रेस विज्ञप्ति में शीतल के हवाले से कहा गया, ''इस नतीजे से मुझे अंतरराष्ट्रीय मंचों और ओलंपिक में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। एकता को स्वर्ण पदक जीतने के लिए 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि मिली जबकि शीतल को 40 हजार रुपये मिले। टूर्नामेंट तीन श्रेणियों - सीनियर, जूनियर और सब जूनियर रिकर्व तथा कंपाउंड वर्ग में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में 87 तीरंदाजों ने भाग लिया।

गांगुली ने अपनी किताब में पाक तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को लेकर अहम खुलासे किये

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय करियर के

दौरान कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों से उनकी दोस्ती हुई। गांगुली के अनुसार इनमें वसीम अकरम, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर जैसे खिलाड़ी थे। गांगुली ने अपनी किताब 'वन सेंचुरी इज नॉट इनफ में भी इसका जिक्र किया है। सौरव के अनुसार, 2004 की भारत-पाकिस्तान क्रिकेट सीरीज के दौरान एक बार उन्होंने दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को रावलपिंडी के वनडे मैच से पहले रात 11 बजे अकेले गेंदबाजी का अभ्यास करते हुए देखा था जिससे उन्हें हैरानी भी हुई थी। पहले लगा कि वह बेहद गंभीर हैं। बाद में मुझे लगा कि हमने इस मैच से पहले हमने उन्हें पटरी से उतारने की बात कही थी शायद उसी के डर से वह अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने इस वाकये के साथ ही कई अन्य बातों के बारे में भी अपनी किताब में बताया है। सौरव ने इस किताब में लिखा, 'पाकिस्तान के साथ इतने लंबे समय तक खेलने के दौरान मेरे कई दोस्त बन गए। वसीम, वकार, इंजमाम उल हक और शोएब अख्तर के साथ मेरा पहला सामना ईडन गॉर्डंस पर हुआ जहां उसने एक के बाद एक गेंदों पर सचिन और द्रविड़ को आउट करके भारतीय टीम को झटका दिया है। जब हम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थे तो शोएब ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लिखकर सीनियर प्लेयर्स के बराबर वेतन दिए जाने की मांग की थी।

धर्मशाली स्टेडियम हुआ अत्याधुनिक, पहली हाइब्रिड पिच बनी : एचपीसीए

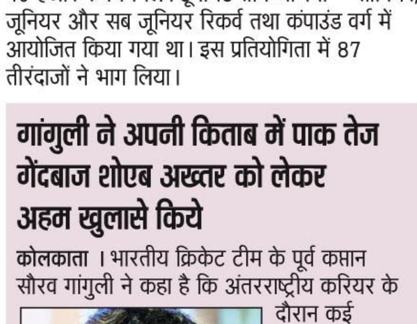

मुम्बई । खूबसूरत वादियों में घिरे हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में अब देश की पहली अत्याधुनिक हाइब्रिड पिच भी बनायी गयी है। अब धर्मशाला स्टेडियम बीसीसीआई की मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम बन गया है जिसमें ये हाइब्रिड पिच बनायी गयी है। इस पिच पर आईपीएल के दो मैच भी खेले जाने हैं। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) अध्यक्ष आर पी सिंह ने कहा कि नीदरलैंड की एसआईएस ग्रास कंपनी ने ये पिच बनायी है। ये पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर रहेगी और इसका प्रदर्शन भी अच्छा रहेगा। साथ ही कहा, हाइब्रिड पिच तकनीक के आने से देश में क्रिकेट को काफी लाभ होगा। पारंपरिक सतहें कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सामना नहीं कर सकती हैं और जल्दी खराब हो जाती हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के अवसर कम हो हो जाते हैं जबकि हाइब्रिड पिच लंबे समय तक चलती है इसलिए कोई परेशानी नहीं आती।

पॉवेल ने नरेन से रिटायरमेंट वापस लेने की रिक्वेस्ट की : वेस्टइंडीज के कप्तान बोले- मैं कब से उसे मना रहा हूं; उम्मीद है मान जाएंगे

नई दिल्ली ।
इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को कोलकाता नाइटराइडर्स के ओपनर सुनील नरेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में 56 गेंदों पर 109 रन बनाए। मैच के बाद राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के कप्तान रोमैन पॉवेल ने कहा कि हम सुनील नरेन से रिटायरमेंट वापस लेने का अनुरोध कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम चुने जाने से पहले उनका मन बदल जाएगा।

वेस्टइंडीज में ही होना है टी-20 वर्ल्ड कप

टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में हो रहा है। सुनील नरेन ने पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं 1 मई तक वर्ल्ड कप के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को वर्ल्ड कप संभावितों की सूची भेजनी है। पॉवेल ने ब्रॉडकास्टर्स के साथ बातचीत में कहा, पिछले 12 महीनों से मैं सुनील से वेस्टइंडीज टी-20 टीम में वापसी का अनुरोध कर रहा हूं। उन्होंने सभी से दूरी बना रखी है। मैंने उनके सबसे अच्छे दोस्तों किरोन पोलार्ड, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरन से कहा है कि वह नरेन को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं। मुझे उम्मीद है कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले उन्हें राजी कर लेंगे।

राजस्थान के सभी खिलाड़ी अच्छी स्थिति में

पॉवेल ने कहा, राजस्थान रॉयल्स टीम को लेकर कि खिलाड़ी अच्छी स्थिति में हैं और यह लंबे समय तक जारी रहेगा। मैं वेस्टइंडीज के लिए नंबर 4 या 5 पर बल्लेबाजी करता हूं और अगर आपको लगता है कि वेस्टइंडीज एक अच्छी टी-20 टीम है तो आप मुझे ऊपर भेज सकते हैं। मैं टीम मैनेजमेंट भी इस पर बात करता रहूंगा। पॉवेल राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं।

सुनील नरेन बैट और गेंद दोनों से कर रहे हैं कमाल ऑलराउंडर सुनील नरेन आईपीएल में बल्ले और बैट दोनों से कमाल कर रहे हैं। गौतम गंभीर के केकेआर के क्रिकेट डायरेक्टर बनाए जाने के बाद से सुनील नरेन इस सीजन में ओपनिंग कर रहे हैं। वह कोलकाता के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 6 मैचों में 187.75 की स्ट्राइक रेट से 276 रन बनाए हैं। इसमें एक हाफ सेंचुरी और एक सेंचुरी शामिल है। वहीं 6 मैचों में 6.88 की इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी करते हुए उन्होंने 7 विकेट भी लिए हैं।

कोहली का ऑरेंज कैप और चहल का पर्पल कैप पर कब्जा बरकरार, आईपीएल अंकतालिका में राजस्थान शीर्ष, केकेआर दूसरे नंबर पर

कोलकाता । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने सात मैचों में केवल एक जीत के साथ ही अंकतालिका में सबसे निचले पायदान पर है पर उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सबसे अधिक रनों के साथ ही ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। विराट ने अब तक 300 से अधिक रन बनाये हैं। कोहली ने 7 मैचों में कुल 361 रन बनाए हैं। जबकि रियान पराग 318 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो राजस्थान की तरफ से खेलने वाले यजुवेन्द्र चहल बटलर 12 विकेट लेकर पहले स्थान पर हैं और पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। चहल को मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से प्रतिस्पर्दा मिल रही है जिन्होंने अब तक 10 विकेट लिए हैं। वहीं टीमों की अंक तालिका की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स 12 अंक लेकर नंबर एक पर कायम है। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स 8 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने सात मैचों में केवल एक जीत के साथ सबसे निचले स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद से मिली हार के बाद उसका नेट रन रेट भी नीचे आया है। राजस्थान रॉयल्स टूर्नामेंट में घर और बाहर दोनों जगह नियमित रूप से जीत हासिल की है। वे प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए मजबूती से खड़े हैं। वहीं लखनऊ सुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस अभी भी अंकों के मामले में पीछे हैं। केकेआर, सीएसके और सनराइजर्स हैदराबाद अगर तालिका में दूसरा स्थान सुरक्षित करना चाहते हैं और फाइनल के लिए जगह बनाना चाहते हैं तो उन्हें आने वाले मुकाबले जीतने होंगे।

बिना तैयारियों के ओलंपिक क्वालिफायर खेलेंगे पहलवान, टूर्नामेंट के लिए नहीं लगा तैयारी शिविर

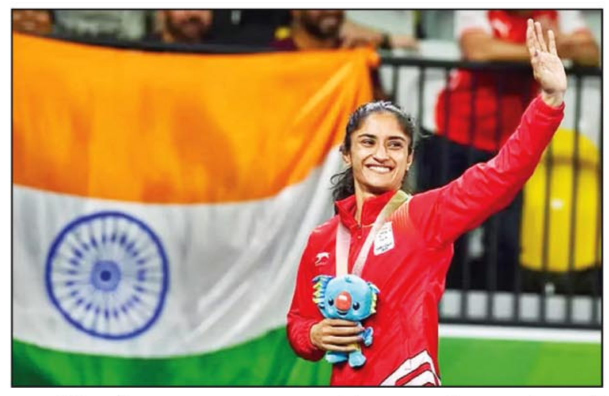

नई दिल्ली ।
कुश्ती पर विवादों के साये ने ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पहलवानों की तैयारियों को छीन लिया। भारतीय टीम के पहलवान बिना तैयारियों के देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाने बिश्केक (किर्गिस्तान) रवाना हो गए। ओलंपिक क्वालिफायर जैसे टूर्नामेंट के लिए पुरुष और महिला पहलवानों का कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया गया। पहलवान अपने स्तर पर अखाड़ों में तैयारी कर क्वालिफायर में उतरने जा रहे हैं। अभी तक भारत को कुश्ती में सिर्फ एक ओलंपिक कोटा मिला है, जो अंतिम पंघाल ने दिलाया है।

महासंघ ने विनेश का भी डाला था नाम

सूत्रों की मानें तो खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगे निलंबन के चलते ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पहलवानों का तैयारी शिविर नहीं लग सका। कुश्ती महासंघ ने 27 मार्च से पुरुषों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का शिविर गांधीनगर या पटियाला, बंगलूरू में लगाने की सिफारिश साई से की थी। शिविर में ग्रीकोरोमन, फ्रीस्टाइल और महिला वर्ग के 120 से अधिक पहलवानों का नाम दिया गया था, जिसमें विनेश फोगाट समेत ओलंपिक क्वालिफायर की टीम में शामिल पहलवान भी शामिल थे। महासंघ के प्रस्ताव पर साई ने कोई फैसला नहीं लिया।

महासंघ ने भी लगाया शिविर

साई की ओर से शिविर को मंजूरी नहीं दिए जाने के बाद कुश्ती महासंघ ने भी अपने स्तर पर टूर्नामेंट के लिए कोई तैयारी शिविर नहीं लगाया। जिसके चलते पहलवान अपने स्तर पर ही तैयारियां करने को मजबूर रहे। क्वालिफायर की फ्रीस्टाइल टीम में अमन (57), सुजीत (65), जयदीप (74), दीपक पूनिया (86), दीपक (97), सुमित (125) और महिला टीम में विनेश (50), अंशु (57), मानसी (62), निशा (68), रीतिका (76 भार वर्ग) शामिल हैं। विनेश को छोड़ 16 पहलवान मंगलवार की सुबह बिश्केक रवाना हुए हैं।

ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई पेरिस ओलिंपिक मशाल

26 जुलाई से शुरू होगें गेम्स; ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू सेरेमनी में मौजूद रहीं

मुम्बई ।
पेरिस ओलिंपिक 2024 की मशाल मंगलवार को ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई। इस मशाल को सूर्य की किरणों से जलाया जाता है। आज से पूरे विश्व में मशाल की यात्रा शुरू हो जाएगी। आखिर में यह पेरिस में जा कर रुकेगी। इसे ग्रीक एक्ट्रेस मैरी मीना ने जलाया।

पेरिस ओलिंपिक में 100 दिन बचे हैं। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। यह सेरेमनी (ओलिंपिक फ्लेम लाइटिंग सेरेमनी) मंगलवार को इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू भी मौजूद रहीं।

1928 से जलाई जा रही है ओलिंपिक मशाल

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के तत्वावधान में पहला ओलिंपिक 1896 में हुआ। जो एथेंस के पैनाथेनिक स्टेडियम में खेला गया। साल 1928 में नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम में आयोजित ओलिंपिक से मशाल जलाने का विचार आया। 1936 में बर्लिन (जर्मनी) ओलिंपिक गेम्स से ओलिंपिक रिले की

शुरुआत हुई। ओलिंपिक लौ प्राचीन और आधुनिक खेलों को जोड़ने की एक कड़ी मानी जाती है। पेरिस ओलिंपिक्स में ट्रैक का कलर पर्पल होगा पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था। पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के इंचार्ज और पूर्व ओलिंपियन एलेन ब्लोंडेल ने कहा है कि ट्रैक का रंग बैंगनी देने की वजह यह है कि बैंगनी कलर पेरिस ओलिंपिक खेल के रंगों में से एक है। हाल ही ओलिंपिक एसोसिएशन ने पेरिस ओलिंपिक खेल के लिए तीन रंगो को चयनित किया था।

एम्बाप्पे के गोल से पीएसजी चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

बार्सिलोना।
किलियन एम्बाप्पे के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन ने मंगलवार रात एस्टाडी ओलम्पिक लुलिस में एफसी बार्सिलोना पर 4-1 से दूसरे चरण की रोमांचक जीत (कुल मिलाकर 6-4) के बाद यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पीएसजी घरेलू हार और दो गोल से पिछड़ने के बाद उबर गया क्योंकि एम्बाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदल दिया और 4-1 से दूसरे चरण की जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

पेरिसियों ने चुनौतीपूर्ण शुरुआत करते हुए मैच का पहला गोल खा लिया, जब रफिन्हा ने 12वें मिनट में गोल करके स्कोर 1-0 और कुल स्कोर 4-2 कर दिया। रोनाल्ड अराउजो ने लुइस एनरिक और उनकी टीम को पहले हाफ के बीच में जीवनदान दिया। अराउजो को सीधे लाल कार्ड मिला, जिससे बार्सिलोना को मैच के अधिकांश समय में दस खिलाड़ियों के साथ रहना पड़ा। लीग 1 की रिपोर्ट के अनुसार, पीएसजी ने स्थिति का फायदा उठाया और 40वें मिनट में ओस्मान डेम्बेले ने गोल करके मैच को 1-1 से बराबर कर दिया, जिससे कुल स्कोर 4-3 हो गया। दूसरे हाफ में, पीएसजी ने एक अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ खेलने का फायदा उठाते हुए मुकाबले को पलट दिया। वितिन्हा ने 54वें मिनट में गोल करके कुल स्कोर 4-4 कर दिया और लीग 1 टीम ने मैच में 2-1 की बढ़त बना ली। डेम्बेले ने फिर से अपनी पूर्व टीम को परेशान किया क्योंकि 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिसियों के लिए पेनल्टी किक जीती। एम्बाप्पे ने 64वें मिनट में मौके को भुनाकर पीएसजी को मुकाबले में 3-1 की बढ़त और कुल स्कोर पर 5-4 की बढ़त दिला दी।

नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर गुकेश की बढ़त कायम, प्रगनानंदा और गुजराती ने भी ड्रॉ खेला

टोरंटो (कनाडा)।
डी गुकेश ने 10वें दौर के बाद अकेली बढ़त पर आने का मौका खो दिया। गुकेश ने अपने साथ बढ़त साझा कर रहे रूस के इयन नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेला। अगर इस बाजी में वह जीतते तो अकेली बढ़त पर आ सकते थे। अब दोनों खिलाडियों के छह-छह अंक हैं और दोनों अभी भी संयुक्त बढ़त पर हैं। वहीं आर प्रगनानंदा (5.5) और विदित गुजराती (5) के बीच मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

दूसरी ओर शीर्ष वरीय अमेरिका के फैबियानो कारुआना और उनके साथी हिकारु नाकामुरा ने जीत हासिल कर प्रगनानंदा के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया। कारुआना (5.5) ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा (3.5) को और नाकामुरा (5.5) ने अजरबैजान के निजात एबासोव (3) को हराया। महिला वर्ग में आर वैशाली (3.5) ने हार का क्रम तोड़ते हुए बुल्गारिया की नुरग्यूल सालिमोवा (4) को हराया। महिला वर्ग में चीन की झोंगयी तान और ली टिंगजी 6.5 अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

गुजराती ने प्रगनानंदा को आसानी से ड्रॉ पर रोका

गुकेश के खिलाफ नेपोमनियाच्ची सफेद मोहरों से खेल रहे थे। शुरुआत में गुकेश समय के दबाव में भी फंसे। बावजूद इसके वह उन्होंने नियंत्रण बनाकर रखा। हालांकि नेपोमनियाच्ची काफी संभलकर खेल रहे थे और जोखिम लेने के मूड में कतई नहीं दिखे। वह 10 दौर के बाद टूर्नामेंट में अकेले खिलाड़ी हैं, जो अब तक हारे नहीं हैं। प्रगनानंदा को भी अभी तक टूर्नामेंट में एक हार गुकेश के खिलाफ मिली है। वह गुजराती के खिलाफ सफेद मोहरों से खेल रहे थे। गुजराती ने उनके खिलाफ बर्लिन डिफेंस का सहारा लिया और आसानी से बाजी ड्रॉ करा सी। 11वें दौर में प्रगनानंदा नाकामुरा से, गुकेश कारुआना से और गुजराती नेपोमनियाच्ची से भिड़ेंगे।

हंपी और झोंगयी के बीच हुआ संघर्ष

महिला वर्ग में ली टिंगजी ने रूस की अलेक्जेंद्रा गोर्याचकिना (5.5) के अपराजेय क्रम को तोड़ दिया। टिंगजी की पिछले पांच दौर में यह चौथी जीत रही। वहीं उनके साथ संयुक्त बढ़त पर चल रहीं झोंगयी तान ने कोनेरू हंपी (4.5) के साथ ड्रॉ खेला। हंपी पांचवें स्थान पर हैं। उन्हें खिताब की दौड़ में आने के लिए जीत हासिल करनी थी। दोनों ने 72 चाल में ड्रॉ खेला। वैशाली ने 88 चाल में छह घंटे के संघर्ष में सालिमोवा को हराया।

डायटीशियन की खूब है डिमांड

बदलते समय ने हमारी दिनचर्या और खानपान की आदतों में काफी बदलाव ला दिया है। जंक फूड के नाम से सुपरिचित अनेक खाद्य पदार्थ और शीतल पेय अनगिनत लोगों की जीवन शैली का महत्वपूर्ण अंग बन चुके हैं। इस तरह उपयुक्त पौष्टिक व सुपाच्य आहार के अभाव में लोग पाचन सेबन्धी व अन्य शारीरिक परेशानियों का सामना करने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में खानपान सेबन्धी सही जानकारी देने के लिए योग्य व्यक्ति की आवश्यकता पड़ती है। यह कार्य निःसन्देह आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन ही बेहतर ढंग से कर सकता है।

डायटीशियन संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर उपयुक्त आहार सेबन्धी परामर्श देने के साथ-साथ मोटापे से परेशान लोगों को राहत देने का और सही जीवन शैली अपनाने को प्रेरित करने का काम भी करता है। तन और मन को स्वस्थ रखने वाले सही भोजन, एकाधिक बेमेल खाद्य पदार्थों से बचने, विभिन्न साध्य-असाध्य रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों के उचित आहार का विवरण तैयार करना, विभिन्न कार्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों का ऊर्जा की आवश्यकता के अनुसार सही आहार तय करना आदि मामलों में प्रशिक्षित डायटीशियन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सुडौल और आकर्षक देहयष्टि की अभिलाषी जागरूक युवतियां और महिलाएं भी डायटीशियन का नियमित मार्गदर्शन प्राप्त कर लाभान्वित होती हैं। आम युवती, मॉडल, अभिनेता-अभिनेत्री, व्यवसायी, कामकाजी और घरेलू महिलाएं यानी विभिन्न वर्गों के लोग प्रायः नियमित रूप से डायटीशियन से परामर्श प्राप्त करते हैं।

डायटीशियन का कार्यक्षेत्र काफी सेभावनाओं से भरा होता है। चिकित्सा के क्षेत्र में एक डायटीशियन को पर्याप्त महत्व मिलता है। मरीज की उम्र, रोग, क्षमता, खानपान की

सैलरी भी होती है आकर्षक

आदतों, जीवन शैली, पाचन तन्त्र आदि के अनुरूप चिकित्सा के दौरान और उसके बाद आहार विशेषज्ञ द्वारा दिए गये परामर्श की आवश्यकता होती है। अधिकांश छोटे-बड़े अस्पताल, हॉस्टल, शिक्षण संस्थान, विभिन्न प्रतिष्ठानों की कैन्टीनों, भोजनालयों, होटलों, फिटनेस केन्द्रों, फूड प्रोसेसिंग केन्द्रों, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित विभिन्न संस्थानों आदि में डायटीशियन की सेवाएं ली जाती हैं। टीवी चैनलों और पत्र-पत्रिकाओं में नियमित रूप से आहार संबन्धी जानकारी देने का काम डायटीशियन ही करता है।

पाठ्यक्रम

स्नातक तथा स्नातकोार स्तर पर आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन के पाठ्यक्रम में भोजन, जैव रसायन, शरीर विज्ञान, जैव सांयिकी, शोध पद्धति, सूक्ष्म भोजन जैविकी, संस्थागत प्रबन्धन आदि शामिल हैं। बीए व बीएससी पाठ्यक्रम में भी पोषण विज्ञान एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। एमएससी में पोषण विज्ञान के रूप में यह एक पूर्ण विषय है। गृह विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, रसायन व औषधि विज्ञान में इसके लिए स्नातक होना चाहिए।

कुछ पाठ्यक्रमों में होटल प्रबन्धन तथा कैटरिंग विषयों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जाता है। शिक्षण-प्रशिक्षण और परामर्श को अपना कॅरियर बनाने वाले छात्र इस क्षेत्र में पीएचडी भी कर सकते हैं। न्यूट्रीशन, डायटेटिस एवं फूड टेनोलॉजी में 3 वर्षीय पाठ्यक्रम अनेक विश्वविद्यालयों में उपलेध हैं। दिल्ली के लक्ष्मी बाई कॉलेज, विवेकानन्द कॉलेज, अदिति महिला कॉलेज, भगिनी निवेदिता कॉलेज में फूड टेनोलॉजी में बीए (पास) पाठ्यक्रम भी है। अनेक विश्वविद्यालयों में एमएससी गृह विज्ञान में फूड एंड न्यूट्रीशन पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम पूरा करने पर किसी अस्पताल या नर्सिंग होम में इंटर्नशिप करने के बाद प्रशिक्षु डायटीशियन के रूप में कॅरियर की शुरुआत होती है। इसके लिए गृह विज्ञान में बीएससी व खाद्य विज्ञान में डिप्लोमा न्यूनतम योग्यता है। किसी डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के अधीन 1 वर्ष कार्य करने का अनुभव भी होना चाहिए। स्वतन्त्र रूप से डायटीशियन का कार्य करने के लिए पंजीकरण कराने हेतु एक परीक्षा भी ऊेीर्ण करनी पड़ती है।

प्रशिक्षु डायटीशियन को आरेभ में 3000-4000 रुपये और 3 माह बाद 5000-6000 रुपये प्रति माह मिलते हैं। डायटीशियन और न्यूट्रीशनिस्ट की तमाम संस्थानों में काफी मांग है। यहां वेतन के रूप में 12000-15000 रुपयों से भी अधिक मिलते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान

- » नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन, जमात-ए-उस्मानिया, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश
- » इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय
- » लेडी इर्विन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- » गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर (पाठ्यक्रम- फूड एंड फर्मेंटेशन एंड प्रिजर्वेशन)
- » अविनाशलिंगम् इंस्टीटयूट फॉर होम साइंस, कोयम्बटूर (पाठ्यक्रम- फूड साइंस एंड प्रिजर्वेशन)
- » रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
- » डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश (पाठ्यक्रम- एमएचएससी) पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम न्यूट्रीशन व डायटेटिक्स
- » इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकॉनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय (पाठ्यक्रम- डिप्लोमा इन डाइटेटिक्स एंड पब्लिक हैल्थ)
- » श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति (पाठ्यक्रम- बीएससी, गृह विज्ञान के बाद न्यूट्रीशन व डाइटेटिक्स में 1 वर्षीय डिप्लोमा)
- » मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु (पाठ्यक्रम- एप्लाइड न्यूट्रीशन व डाइटेटिक्स में 1 वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

बायोइन्फॉरमेटिक्स क्षेत्र में खूब अवसर उपलब्ध हैं नौकरी के

अगर आप एक ही शाखा के अंतर्गत बहुआयामी विषय पर काम करने का शौक रखते हैं तो बायोइनफारमेटिस के क्षेत्र में कॅरियर बनाएं। यहां आप को जीव विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक साथ काम करने का मौका मिलेगा। बायोइनफारमेटिस बनने के इच्छुक अेयर्थी को साइंस विषयों में 12वीं पास होना आवश्यक है।

आमतौर पर लोगों में धारणा है कि बायोइनफारमेटिस का क्षेत्र बायोटेनालाजी का ही हिस्सा है। कुछ हद तक ये सही भी है। लेकिन इसमें कार्य करने की प्रक्रिया बिलकुल अलग है। दरअसल यह जीव विज्ञान, केप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी से मिलकर बना एक नया बहुआयामी विषय है। इसके अंतर्गत जैविक सूचनाओं मसलन आरएनए/डीएनए, न्यूॅलिक एसिड और प्रोटीन संरचना आदि का केप्यूटर की मदद से डाटाबेस तैयार किया जाता है। इस डाटाबेस का उपयोग सामान्य कोशिकीय क्रियाओं के व्यापक प्रस्तुतीकरण में किया जाता है। इससे शोधकर्ताओं को उनके अनुसंधानों में सहायता मिलती है। इन जैविक सूचनाओं का उपयोग रोग के लक्षण पहचानने तथा चिकित्सा में भी किया जाता है।

बायोइनफारमेटिस ही एक ऐसा क्षेत्र है जिसके जरिए पशु के रोग की जैविक सूचना के आधार पर शोधकर्ता मानव में उस रोग की प्रगति तथा उसके रोकथाम के बारे में निष्कर्ष निकाल सकते हैं। हालांकि मानव और पशुओं के रोगों में एकदम समानता नहीं होती है। यही कारण है कि फार्मास्यूटिकल उद्योग की रूचि जीनोम अनुक्रमिक योजनाओं में बढ़ी है। लिहाजा विभिन्न फार्मास्यूटिकल कंपनियों, बायोटेनोलाजी और उससे संबंधित उद्योगों में बड़े-बड़े बायोइनफारमेटिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिवीजन स्थापित किए जा रहे हैं। फेटानल, जीनोमिस, बाईमोलीकुलर, संरचना प्रोटीन संश्लेषण, शैल मेटाबोलिजमा, जैवविविधता ड्रग डिजाइन, वेसीन डिजाइन आदि का बायोइनफारमेटिस एक अभिन्न अंग है।

बायोइनफारमेटिस के क्षेत्र में स्थापित होने के लिए अेयर्थी को जीव विज्ञान के साथ-साथ मल्टीमीडिया डाटाबेस, डाटा एनालिसिस के टूल्स, मालीयुलर माडलिंग, वेब इंटरफेस डिजाइन, डाटा माइनिंग, यूनिस, वर्चुअल रिएलिटी सिस्टम और इंटलसेट का बेहतर ज्ञान होना आवश्यक है। एक बायोइनफारमेटिस वैज्ञानिक की पूरी दुनिया में भारी मांग है। इसलिए वह देश-विदेश के जिस कोने में चाहें, वहां नौकरी उनकी प्रतिक्षा करती रहती है।

बायोइनफारमेटिस अभी विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय नहीं हुआ है। इस कारण शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों की संेया भी काफी कम है। नेशनल बायोइनफारमेटिस इंस्टीट्यूट और पुणे विश्वविद्यालय बायोइनफारमेटिस से अधिक जानकारी ली जा सकती है।

इंटरव्यू में ध्यान रखें यह बातें, नौकरी पक्की

भारतीय अर्थव्यवस्था एक बार फिर से विकास की तरफ बढ़ रही है और उसी का नतीजा है कि जल्द ही ढेरों नौकरियों का अवसर आप सभी उठा पाएंगे। लेकिन नौकरी उसे ही मिलेगी जो उसके काबिल होगा। आपकी पढ़ाई-लिखाई और अनुभव के अलावा भी बहुत सी चीजें हैं जो आपको एक इंटरव्यू में पास होने में मदद करती हैं। आज हम आपको बता रहे है ऐसी कुछ बातों के बारे में जो इंटरव्यू में आपको ध्यान रखनी चाहिए

अपने आप को जानिए

सबसे पहले आपको खुद को जानना जरूरी है कि आप अपनी जिन्दगी से चाहते या हैं? किस तरह की नौकरी आपको पसंद है और या आप जिस इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, उसके लिए तैयार हैं? एक बार तय कर लिया कि जाना ही है तो अपनी ग्रूमिंग पर ध्यान दीजिये। साफ कपडे, जूते, एक प्लेटेंट व्यक्तित्व के साथ इंटरव्यू पर जाइए और वहाँ भी आपको बॉडी लैंग्वेज से सिद्ध कीजिये कि आप सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति हैं।

कंपनी और उनके प्रतिद्वंदी

इंटरव्यू से पहले ही जितनी हो सके, उतनी जानकारी निकाल लीजिये कंपनी और उसके प्रतिद्वंदियों के बारे में। आजकल इंटरनेट पर सभी तरह की जानकारी मिल जाती है, तो जब आप जाएं तो इस बात का पूरा ज्ञान हो कि किस तरह की कंपनी में आप काम करने जाएंगे और किस तरह का काम आपके लायक वहां हो सकता है।

आप में क्या खास है

याद रखिये, आप अकेले नहीं होंगे जो इंटरव्यू के लिए आये होंगे। ऐसे बहुत से दूसरे उेमीदवार भी होंगे जिनकी पढ़ाई या अनुभव आपसे मेल खाता होगा। तो फिर आपको नौकरी यों मिलेगी? उस के लिए आपको इंटरव्यू लेने वालों को यह बताना होगा कि कैसे आपको नौकरी देकर वो आप के ऊपर कोई एहसान नहीं करेंगे बल्कि यह उनकी कंपनी के लिए भी फायदे का सौदा होगा। बराबरी का खेल खेलिए, जानिये कि कंपनी नौकरी यों दे रही है, किस तरह की जरूरतें हैं उस कंपनी की और आप कैसे उन जरूरतों को पूरा करने के अलावा कुछ और भी कर सकते हैं उनके लिए।

सोशल मीडिया

आजकल की कंपनियां सिर्फ आपका बायोडाटा देख कर ही संतुष्ट नहीं हो जातीं। वो आप की सोशल मीडिया की जिन्दगी को भी ध्यान से देखती हैं यह समझने के लिए कि आप किस तरह के इंसान हैं, किस तरह के दोस्त हैं आपके, किस तरह की बातें आप अपने फेसबुक या ट्विटर अकाउंट पर लोगों के साथ बांटते हैं। इसलिए ध्यान रहे कि आपके सोशल मीडिया एकाउंट्स पर ऐसा कुछ न हो जो आपके खिलाफ जाए।

फ्लेक्सिबल रहिये

नौकरी जरूरी है अगर वो आपकी पसंद की है तो। खुले दिमाग से इंटरव्यू देने जाइए यह सोच कर कि किसी और शहर में भी पोस्टिंग हुई तो चलेगा। पैसे थोड़े ऊपर-नीचे भी हुए तो काम चला लेंगे। जरूरी यह नहीं सभी कुछ आपकी इच्छानुसार ही हो। कई बार इंटरव्यू में पैसों या दूसरे शहर की पोस्टिंग को लेकर सवाल सिर्फ इसलिए पूछे जाते हैं ताकि वो जान सकें कि आपकी क्या सोचते हैं उस बारे में। एक बार नौकरी शुरू कीजिये, आपका काम अच्छा रहा तो धीरे-धीरे सब चीजें आपकी मन के अनुसार हो ही जाएंगी।

बुरे हालात में अच्छा कैसे सोचें...?

ये तो सभी जानते हैं कि जीवन में उतार-चढ़ाव या फिर कहें कि सुख और दुःख दोनों का ही आना तय है। हम दोनों में से किसी को रोक नहीं सकते। पर अेसर ही यह होता है कि हम दुःख आने पर उसमे इतना डूब जाते हैं कि सुख आने पर भी उसे देख ही नहीं पाते। बल्कि हमे करना यह चाहिए कि दुःख या परेशानी में भी कुछ अच्छा सोचने की कोशिश करनी चाहिए। सवाल यह है कि आखिर किसी बुरी परिस्थिति में किस तरह अच्छा सोचा जाए? तो आइये हम साथ में जानने की कोशिश करते हैं कि किस तरह की परिस्थिति में किस तरह अच्छा सोचा जा सकता है।

कम मार्क्स मिलने पर

परीक्षा में कम अंक आने या अनुेीर्ण हो जाने का मतलब यह हुआ कि यह हमारे लिए एक मौका है जिसमें हम अपनी कमजोरियों और कम अंक आने की वजह पहचान सकते हैं और उन पर काम करके ढेम परिणाम ला सकते हैं। परंतु इसके विपरीत हम निराश होकर बैठ जाते हैं, जिससे केवल

हमारी परेशानियां ही बढ़ती हैं।

नौकरी न मिलने पर

नौकरी न मिलने का मतलब यह हुआ कि दुनिया में जॉस खत्म नहीं हुए हैं। एक जॉब नहीं मिला तो या हुआ, जो हमारे लिए सही होगा वह मिलेगा ही। हमें हमेशा बस 100 परसेंट देना है।

प्यार में धोखा

प्यार में धोखा मिले तो उसे भी एक अच्छे नजरिये से देखा जा सकता है। यह एक तरह से अच्छा है कि सही वेत पर सच पता चल गया। जो हुआ इतना भी बुरा नहीं हुआ। बेशक ही हमारे लिए उस इंसान से भी बेहतर कोई इंसान बना है जो सही समय आने पर हमारी जिंदगी में आ जाएगा।

दुर्घटना होने पर

यदि हमारे साथ कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है और हम अक्षम हो जाते हैं तो इसका मतलब हुआ हमने सबकुछ खोया नहीं है, बल्कि हमारे पास जिंदगी अभी भी बची हुई है। हमारे पास जो है हमें उसे खुद की सबसे बड़ी ताकत बनाना है।

अच्छी नौकरी चाहिए तो, रिज्युम में जरूर लिखें यह बातें

कई लोगों के साथ अेसर यह होता है कि पढ़े लिखे होने और ऐसपीरियस होने के बावजूद जब भी हम कोई नयी और बेहतर नौकरी लेने जाते हैं तो नहीं मिलती? आप में सब गुण हैं जो एक नौकरी के लिए चाहिए फिर भी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए बुलावा नहीं आता? आप से कम तजुर्बे वाले या पढ़े -लिखे आदमी को नैकरी मिल गयी, लेकिन आपको नहीं मिली?

अगर आप की भी ऐसी ही कुछ समस्याए हैं तो समझ लीजिये कि कोई ना कोई कमी आप ही की तरफ से है। खास तौर पर यह कमी एक बायोडाटा में ही होती है। किसी भी कंपनी के पास रोज हजारों बायोडाटा पहुँचते हैं और एक रिसर्च के अनुसार उनके अफसर एक बायोडाटा पर अंदाजा सिर्फ 45 सेकंड ही लगाते हैं उसे परखने के लिए। अब आपका बायोडाटा इतना कमाल का होना चाहिए कि उतनी सी देर में आपकी एक बेहतर छवि बना दे ताकि आपको इंटरव्यू के लिए जोन आ जाए। आज हम आपको बता रहे है ऐसी ही कुछ बातों के बारे में जो आपके बायोडाटा में जरुरी होनी चाहिए

अनुभव

काम का ऐसपीरियंस बहुत जरूरी है लेकिन उस से भी जरूरी है कि जिस नौकरी के लिए बायोडाटा भेज रहे हैं, उसकी जरूरतों के अनुसार आपका ऐसपीरियंस हो। उसे पेश भी उसी तरह से किया जाए मान लीजिये सेल्स की नौकरी है तो सेल्स से मिलता जुलता अनुभव बायोडाटा में मुेय रूप से डालिये, बाकी किसी और काम का अनुभव है तो उस ज्यादा तूल मत दीजिये।

स्किल्स

आजकल की बदलती दुनीया में, हर कंपनी यह चाहती है कि उसके कर्मचारियों के पास कुछ ऐसी स्किल्स हों जो उन्हें दूसरों से अलग कर दें। जैसे कि कंप्यूटर की स्किल्स या कोई ऐसा खास कोर्स आपने किया जो आपकी नौकरी में आपके काम आ सकता हो, उन्हें जरूर बायोडाटा में लिखिए।

उपलब्धियां

अपनी उपलेधियों को हलके शेदों में मत लिखिए बल्कि विस्तार से उनकी गहरायी में जाकर बताईये। ऐप्लॉयर यह जानने को उत्सक होते हैं कि अपनी पिछली नौकरी में आपने या जलवा दिखाया। जैसे कि अगर आप सेल्स में हैं तो बताईये कि आपने कितना टारगेट पूरा किया, कंपनी की सेल को कहाँ से कहाँ पहुँचाया, कितने पैसे कंपनी के बचाये और ऐसी बातें जिनसे उन्हें अंदाजा लग सके कि आपकी उपलेधियाँ सिर्फ कहने के लिए नहीं हैं, उनमें दम भी है।

शिक्षा

जितनी ज्यादा पढ़ाई, उतने ज्यादा चान्सेस कि आपको नौकरी मिल जायेगी। खास तौर पर अगर आपकी शिक्षा ऐसे क्षेत्र में हुई है जिसकी जरुरत कंपनी को है। विस्तारपूर्वक उसके बारे में बायोडाटा में लिखिए और उन तारीफों के साथ कि कौन से साल और महीने में कौन सा कोर्स खत्म हुआ।

प्रेसेंटेशन

यह बहुत ही छोटी-सी बात लगती है सुनने में लेकिन असर बहुत गहरा होता है। जब कंपनी के मैनेजर के हाथ में आपका बायोडाटा आये तो ऐसा लगना चाहिए उसे देख कर कि अप्लाई करने वाले ने वाकई में मेहनत की है। एक साफ सुथरा बायोडाटा, कंप्यूटर से टाइप किया हुआ, साफ कड़क कागज पर, आँखों पर जोर ना डालने वाले फॉण्ट साइज में उन्हें मजबूर करेगा कि वो एक बार आपका बायोडाटा पढ़ें जरूर। यह करके आधी बाकी मार लेंगे आप। बाकी आधी बाकी इस पर निर्भर करेगी कि या आपकी शिक्षा और काम का ऐसपीरियंस उनकी जरूरतों से मेल खाता है या नहीं।

लम्बाई

हर रोज हजारों बायोडाटा पढ़ने पड़ते हैं कंपनी के अफसरों को और उनके पास इतना वक्त होता नहीं कि वो लेबे-लेबे कहानी-सरीके बायोडाटा पढ़े। इसलिए बहुत जरूरी है कि आप अपने बायोडाटा की लेबाई 2 पेजे? से ज्यादा नहीं रखें, चाहे कुछ भी हो जाए। अगर आपका ऐसपीरियंस ज्यादा है या पढ़ाई की सूची लेबी है तो सिर्फ वही नौकरियाँ या शिक्षा के कोर्स लिखिए जो इस नौकरी के लिए जरूरी हों। किसी के पास वक्त नहीं होगा आपकी पूरी जिन्दगी का लेख-जोखा पढ़ने के लिए।

मीठा पसंद है, तो बन जाइए चॉकलेट के जादूगर

पाककला उद्योग करियर के बेहतरीन अवसरों से भरा हुआ है। इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स को हमेशा कुछ नया करने का मौका मिलता रहता है। ऐसा ही एक करियर ऑप्शन है, चॉकलेटियर का। चॉकलेटियर्स अपनी विशेषज्ञता से चॉकलेट्स के स्वाद और टेसचर को बढ़ाते हैं। अगर आपके अंदर भी अलग-अलग प्रकार की चॉकलेट्स के साथ प्रयोग करने का हुनर है, तो आप बन सकते हैं एक सफल और लोकप्रिय चॉकलेटियर।

चॉकलेट को भले ही हम स्वीट कैंडीज और बेकरी आइटेस में प्रयोग होने वाले एक इंग्रीडिएंट के रूप में ही जानते हैं, लेकिन विशेषज्ञ इसका इस्तेमाल और भी कई फूड आइटेस में करते हैं। कम ही लोगों को इस बात की जानकारी होगी कि चॉकलेट्स की अलग-अलग वैराइटीज के साथ प्रयोग करने के लिए बाकायदा स्किल्ड ऐसपर्ट्स को रखा जाता है। ये ऐसपर्ट्स ही चॉकलेटियर कहलाते हैं। अगर आपको भी अलग-अलग प्रकार की चॉकलेट्स को आजमाना पसंद है, तो आपमें एक चॉकलेटियर बनने के गुण मौजूद हैं..।

कौन होते हैं चॉकलेटियर?

आम तौर पर चॉकलेट्स से कन्फेशनरी आइटेस या मिठाइयां बनाने वाले शेस को ही चॉकलेटियर कहा जाता है। ये वो शेस होते हैं, जिन्होंने चॉकलेट में स्पेशलाइजेशन किया होता है और आकर्षक व स्वादिष्ट चॉकलेट्स की एक बड़ी रेंज तैयार करने में इन्हें महारत हासिल होती है।

अगर दूसरे शेदों में कहें, तो चॉकलेटियर्स वे कलाकार या जादूगर हैं, जो चॉकलेट को लेकर एक से बढ़कर एक बेहतरीन डिश तैयार करते हैं।

सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी भी विषय से इंटर पास होना जरूरी है। इसके बाद आप यूलिनरी स्कूल से सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज कर सकते हैं। चॉकलेट मेकिंग के स्पेशलाइज्ड कोर्सेज में आपको चॉकलेट प्रोसेसिंग और टेपरिंग, डिपिंग, मोल्डिंग और स्कल्पटिंग की टेंनिस सिखाई जाती हैं। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को चॉकलेट के इतिहास, उसके घटकों, लेवर्स, टेसचर्स, खेती की टेंनिस और प्रोसेसिंग के बारे में बताया जाता है।

चाहिए ये स्किल्स

एक चॉकलेटियर बनने के लिए बेसिक कुकिंग स्किल्स के साथ-साथ धैर्य और खुला दिमाग होना बहुत जरूरी होता है। यह करियर उन लोगों के लिए श्रेष्ठ है, जिन्हें मीठा बहुत पसंद है। इसके अलावा आपमें चॉकलेट का सटीक ज्ञान, सृजनात्मकता, कल्पनाशक्ति, काम के प्रति समर्पण, लंबे समय तक काम करने की क्षमता, डीटेलिंग के प्रति सतर्कता, मार्केटिंग और पीआर स्किल्स होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सफल होने के लिए आपमें चॉकलेट्स को रचने का पैशन होना चाहिए।

कहां हैं अवसर?

क्वॉलिफाई करने के बाद आपको पहले तो किसी स्थापित चॉकलेटियर के साथ इंटर्नशिप या ट्रेनिंग लेनी होगी। उसके बाद आप स्वतंत्र रूप से अपना करियर शुरू कर सकते हैं। इस फील्ड में आप एंटरप्रेन्योर के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं और कॉर्पोरेट्स, गिट स्टोर्स, लोरिस्ट्स तथा बेकरीज से टाई-अप करके अपने उत्पादों की मार्केटिंग कर सकते हैं। आप चॉकलेट टेस्टर के तौर पर भी कन्फेशनरी इंडस्ट्री में करियर बना सकते हैं। इसके अलावा आप हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में रूज, शिप्स, बड़े बड़े होटल्स, रिजॉर्ट्स और कसीनोज में बतौर डिजर्ट ऐसपर्ट काम कर सकते हैं। आप बड़ी-बड़ी चॉकलेट मेकिंग कंपनीज में भी काम कर सकते हैं।

कमाई कितनी?

कमाई के लिहाज से यह करियर बेहद आकर्षक है। अगर आप बिजनेस करें, तो यह लो-कॉस्ट बिजनेस है। ग्राहकों को क्वॉलिटी प्रोडेट उपलेध कराकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। यदि आप जॉब करना चाहते हैं, तो हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आप 5-7 लाख के पैकेज से शुरुआत कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- » चॉकलेट अकेडमी, मुंबई
- » बैरी कॉलेबॉट इंडिया प्रा लि, मुंबई
- » काफ्ट एंड सोशल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली
- » स्विसरैप चॉकलेट अकेडमी, मुंबई
- » मैगनिफिशेंस अकेडमी ऑफ पैकेजिंग प्रोफेशनल्स

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)